भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय द्वारा पंजीकृत संख्या UTTHIN/2015/66525

E-mail: amarujiyara@gmail.com

अमर उजियारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–7 अंक–14 सोमवार, 26 जुलाई 2021 हल्द्वानी (नैनीताल) मूल्य 5/– रुपया पृष्ठ 8

डीआरएम ने लालकुआं में रेलवे प्लेटफॉर्म का निरीक्षण

रेलवे स्टेशन की खामियों को दुरुस्त करने का निर्देश

अमर उजियारा संवाददाता

नैनीताल। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष पंत ने लालकुआं रेलवे स्टेशन के विभिन्न कार्यालयों, प्रतिक्षालयों एवं भोजनालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न खामियों को दुरुस्त करने के लिए विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए। डीआरएम ने शनिवार सुबह लालकुआं में रेलवे प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने कंट्रोल रूम, रिले रूम, टीटीई विश्रामकक्ष, टीटी कार्यालय, कुली विश्रामकक्ष, भोजनालय, स्टेशन अधीक्षक कार्यालय सहित वेटिंग रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद बताया कि कोरोनाकाल मे रेलवे स्टेशन में बन्द पड़े विभिन्न कार्यालय कक्षों मे कई प्रकार की कमियां हो गई थी। जिन्हें दुरुस्त करा दिया जाएगा। उक्त स्थान को नीट एंड क्लीन और हाईटेक बनाया जा रहा है। इस दौरान जर्जर हो चुके फर्नीचर को हटाने के निर्देश दिये गये। डीआरएम ने कुलियों के विश्रामकक्ष के बन्द होने पर स्टेशन अधीक्षक को फटकार लगाते हुए स्टेशन की व्यवस्थाओं को सुधारने के निर्देश दिये। यहां वरिष्ठ मंडल इंजीनियर प्रथम विकास सिंह, मंडल सुरक्षा आयुक्त ऋषि पांडे, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एनके जोशी, मंडल विद्युत इंजीनियर परिचालन एमके गुप्ता, सहायक इंजीनियर काशीपुर धर्म सत्तू, मंडल के यातायात निरीक्षक एके मिश्रा, स्टेशन अधीक्षक नीरज कुमार, मुख्य यातायात निरीक्षक मोहन राम आदि मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारी संघ की हड़ताल लगातार छठे दिन भी जारी ,कैबिनेट मंत्री भगत का पुतला

अमर उजियारा संवाददाता

हल्द्वानी। देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ की हड़ताल लगातार छठे दिन भी जारी रही। शासन स्तर पर 11 सूत्री मांगों को लेकर हुई वार्ता विफल होने से नाराज सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को एसडीएम कोर्ट के सामने शहरी विकास मंत्री बंशीधर भगत का पुतला फूंका।देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को भी नगर निगम कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान हुई संघ के सदस्य आशीष मसीह की अध्यक्षता एक सभा आयोजित की गई। संचालन शाखा सचिव रामू भारती ने किया। संघ संस्थापक बांके लाल बिहारी ने कहा कि 23 जुलाई को देहरादून में शहरी विकास मंत्री के साथ संघ की वार्ता हुई। लेकिन मांगों पर कोई सकारात्मक निष्कर्ष न निकल पाने के कारण वार्ता विफल रही। कहा कि इससे सभी सफाई कर्मचारियों में रोष

व्याप्त है। वे नियमितीकरण करने और ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखेंगे। यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई न हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। सभा के बाद सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय से एसडीएम कोर्ट तक जुलूस भी निकाला। जहां शहरी विकास मंत्री बंशीधर भगत का पुतला फूंककर आक्रोश जताया गया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राहत मसीह, प्रदेश उपाध्यक्ष अमरदीप चौधरी, शाखा अध्यक्ष जय प्रकाश, अमित कुमार, रवि चिंडालिया, अशोक चौधरी, चमन, विजय पाल, प्रेम सिंह, अनिता, उर्मिला, सुमन, कविता, राजा, गोविंद, भूपेश आदि मौजूद रहे।

सिटी मजिस्ट्रेट व एसडीएम की मौजूदगी में नगर आयुक्त से मिलने पहुंचे पार्षद

अमर उजियारा संवाददाता

हल्द्वानी। बीते शुक्रवार को नगर निगम में कर्मचारियों को बंधक बनाने वाले पार्षद शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट रिचा सिंह और एसडीएम मनीष कुमार की मौजूदगी में नगर आयुक्त सीएस मर्तोलिया से मिलने पहुंचे। जहां काफी देर तक माहौल गर्म रहने के बाद नगर आयुक्त द्वारा सफाई को लेकर दिए गए आश्वास के बाद मामला शांत हुआ। हालांकि, दूसरे दिन भी नगर आयुक्त से मिलने के लिए पार्षदों को कई घंटे इंतजार करना पड़ा। शुक्रवार देर रात को सिटी मजिस्ट्रेट रिचा सिंह ने दूसरे चरण की वार्ता के बाद धरने पर बैठे पार्षदों को मना लिया था। उन्हें आश्वस्त किया था कि वह शनिवार को खुद उन्हें नगर आयुक्त से मुलाकात के लिए ले जाएंगी। इधर, शनिवार सुबह सबसे पहले सभी पार्षद नगर निगम कार्यालय पहुंचे। यहां से उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को फोन किया। जिसपर सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि वह डीएम कैंप कार्यालय में जनता

दरबार में हैं। समय मिलते ही वह उनके साथ नगर आयुक्त से मिलने चलेंगी। लेकिन पार्षदों को कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। ऐसे में पार्षदों ने डीएम कैंप कार्यालय जाने का मन बनाया, लेकिन सिटी मजिस्ट्रेट से हुई बातचीत के बाद सभी पार्षद नगर आयुक्त के नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय पहुंच गए। जहां सिटी मजिस्ट्रेट रिचा सिंह और एसडीएम मनीष कुमार भी मौजूद रहे। काफी देर तक शुक्रवार को हुए मामले पर दोनों तरफ से बहस हुई। इसके बाद नगर आयुक्त ने सफाई व्यवस्था के लिए कार्रवाई करने का आश्वासन दे दिया। इसके बाद सभी पार्षद वहां से चले गए। मुलाकात करने वालों में पार्षद शाकित हुसैन, लईक कुरैशी, इस्लाम मिकरानी, मोहम्मद गुफरान, रूमी वारसी, शकील अंसारी आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य ने किया बेतालघाट में 13.50 लाख की 18 योजनाओं का लोकार्पण

नैनीताल। कैबिनेट मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री यशपाल आर्य ने शनिवार को बेतालघाट ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज ऊंचाकोट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में 1350.06 लाख की 18 योजनाओं का लोकार्पण किया। साथ ही रामनगर–रिची बिल्लेख मोटर मार्ग निर्माण, बिडारी से पोखराधार सड़क निर्माण के कार्यों का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य ने कहा कि जनता ने जो भरोसा किया था, उस भरोसे पर खरा उतरने की उनकी पूरी कोशिश है। उन्होंने तिवारी गांव में लगभग एक करोड़ की लागत की नलकूप निर्माण, राजकीय इंटर कॉलेज में 100 कुर्सी व 50 टेबल देने की घोषणा की। क्षेत्रीय विधायक संजीव आर्य ने कहा कि क्षेत्र में रुके हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। कहा कि बेतालघाट के लोग रिखोली–हरीनगर से होते हुए नैनीताल शीघ्र पहुंचेंगे। इस मार्ग के बनने से बेतालघाट से नैनीताल की दूरी 30 किलोमीटर कम होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट व कोरोना सुरक्षा किट वितरित भी किया गया। इसके अलावा कोरोना टीकाकरण कैंप, पेंशन योजना फार्म, स्वास्थ्य जांच व आधार कार्ड शुद्धिकरण के लिए कैंप भी लगाए गए। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति आयोग पीसी गोरखा, नगर पालिका अध्यक्ष भवाली संजय वर्मा, ज्येष्ठ प्रमुख गिरधर सिह, उपजिलाधिकारी विनोद कुमार, अर्जुन जलाल, प्रताप चन्द्र, पुष्कर जलाल, नन्दकिशोर, आशा आर्या, प्रताप बोरा, दीप रेखाडी, सुरेश जोशी,आशा आर्या, जीवन सिह धर्मसत्तू, एनके गोयल, समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल आदि उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में मातृशक्ति को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट बांटे

नैनीताल। अंबेडकर नगर स्थित वार्ड नंबर 1 में मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरण कार्यक्रम के तहत मातृशक्ति को किट वितरित की गयी। किट वितरण कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष लाल चंद्र सिंह ने कहा कि कोरोना काल में बच्चों के देखरेख की अधिक जिम्मेदारी मातृ शक्ति के कंधों पर आई है, ऐसे में मातृ शक्ति का योगदान अनुकरणीय है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी राजू नबियाल, सभासद हेमंत पांडे, दीपक बत्रा, धन सिंह बिष्ट, राजलक्ष्मी पंडित, रंजू देवी, योगेश उपाध्याय, प्रेम नाथ पंडित, सुनील कुमार, आंगनबाड़ी केंद्र संचालिका सीमा कुमारी, रिजवाना बेगम, नाजिया बेगम, पार्वती देवी, प्यार चंद सहित आदि रहे।

आप के शिविर में बने 300 से अधिक लोगों के गारंटी कार्ड

नैनीताल। आम आदमी पार्टी की नगर इकाई द्वारा वार्ड दर वार्ड अभियान चलाकार अरविंद केजरीवाल बिजली गारंटी कार्ड योजना कैंप लगाए जा रहे हैं। जिसमें आम जनता को गारंटी कार्ड मुहैया कराए जा रहे हैं। शनिवार को मल्लीताल राम सेवक सभा में शिविर लगाया गया। जिसमें 300 से अधिक लोगों का गारंटी कार्ड बनाया गया। इसके अलावा मनूरा, गांजा, बेतालघाट में भी कैंप लगाकर गारंटी कार्ड बनाए गए।

देहज हत्या के आरोपी पति को आजीवन कारावास

अमर उजियारा संवाददाता

नैनीताल। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रीतू शर्मा की अदालत ने पत्नी व डेढ़ वर्ष के बच्चे की हत्या करने के आरोपी को आजीवन कारावास के साथ 15 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को मृतका के 9 साल के बच्चे एवं मृतक के पिता को भी प्रति कर राशि दिलवाने निर्देश दिए हैं। नैनीताल जिले के ओखलकांडा ब्लॉक के डालकनिया निवासी हरीश चंद्र की ओर से मामले में प्राथमिक दर्ज कराई गई थी। कहा था कि 11 जून 2012 को बेटी का विवाह पतलिया निवासी केशव दत्त मेलकानी के साथ किया था। शादी के बाद से केशव ने बेटी को दहेज के लिए प्रताडित्त किया। कई बार केशव ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोप था कि सास, ननद द्वारा भी कई बार मारपीट की गई। 19 दिसंबर 2015 को आरोपी केशव ने बेटी व उसके डेढ़ ष्ष्वर्ष के बच्चे को खाने में जहर दे दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। इस मामले में आरोपी के खिलाफ हत्या समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था। मामला अदालत में विचाराधीन था। इस मामले में अदालत में हुई सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से डीजीसी सुशील कुमार शर्मा ने 9 गवाह पेश किए। उन्होंने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में विषाक्त से मौत, विवाह के बाद दहेज की एक लाख रुपये की रकम लेने समेत अन्य दलील पेश की। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी को दोषी माना। जमानत पर रिहा हुए आरोपी को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

सम्पादकीय

संक्रमण के दायरे

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा देश में कराये गये चौथे सीरो सर्वे में कोरोना महामारी से जुड़े जो आंकड़े मंगलवार को सामने आए हैं, वे आश्वस्त करते हैं कि देश की दो–तिहाई आबादी में संक्रमण के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई है। मगर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि अभी एक–तिहाई आबादी संक्रमण के दायरे में आ सकती है। इस सर्वे का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि देश में दोनों टीके लगाने वाले लोगों में सबसे ज्यादा एंटीबॉडी पायी गयी है। साथ ही बच्चों में पायी गई एंटीबॉडी उस निष्कर्ष को नकारती है कि तीसरी लहर बच्चों के लिये खतरनाक होगी। हालांकि, बच्चों में संक्रमण की संवेदनशीलता को लेकर कोई प्रामाणिक अध्ययन सामने नहीं आया था, लेकिन कहा जा रहा था कि बच्चों को तीसरी लहर से खतरा ज्यादा रहेगा। निश्चित रूप से सर्वे की रिपोर्ट अभिभावकों की चिंता को कम करेगी। देश में 45 से 60 आयु वर्ग में सबसे ज्यादा एंटीबॉडी का पाया जाना भी सुखद है क्योंकि यह देश की कर्मशील आबादी है, जो अपने पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में रत रहती है। निस्संदेह देश में 67.6 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाये जाने का मतलब है कि ये लोग संक्रमण से गुजर चुके हैं और इनमें सार्स–सीओवी–2 के वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। कह सकते हैं कि तीसरी लहर उनका ज्यादा नुकसान नहीं कर पायेगी। दरअसल, यह सीरो सर्वे देश के 21 राज्यों के 70 जिलों में जून–जुलाई में कराया गया था, जिसमें 6–17 आयु वर्ग के बच्चे भी शामिल थे। अच्छी बात यह भी है कि देश के 85 फीसदी स्वास्थ्य कर्मियों में एंटीबॉडी पायी गई जबकि दस फीसदी कर्मियों ने टीका नहीं लगवाया, जो इस बाबत भी आश्वस्त करता है कि यदि देश में तीसरी लहर ने दस्तक दी तो हमारा स्वास्थ्य तंत्र उसके मुकाबले को मुस्तैद रह सकेगा। यह सीमित चिकित्सा साधन वाले देश के लिये अच्छी खबर कही जा सकती है।उल्लेखनीय है कि देश में पहला सीरो सर्वे पिछले साल मई–जून में कराया गया था, जिसमें 0.7 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी मिली थी। फिर अगस्त–सितंबर में दूसरा सर्वे कराया गया था, जिसमें 7.1 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी मिली। तीसरा सीरो सर्वे दिसंबर–जनवरी में कराया गया था, जिसमें 24.1 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी मिली। हालिया सर्वे में 28,975 आम लोगों व 7252 स्वास्थ्यकर्मियों को शामिल किया गया था। बच्चों में हुए संक्रमण के बाबत आई सीरो रिपोर्ट का एक निष्कर्ष यह भी है कि बच्चे वयस्कों के मुकाबले ज्यादा मजबूत हैं। आईसीएमआर का भी मानना है कि बच्चे संक्रमण से बेहतर ढंग से निपट सकते हैं। निस्संदेह बच्चों में कुदरती रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है इसलिए भी कि वे जीवन में चिंतामुक्त होकर गतिशील रहते हैं। यही वजह है कि उत्साहित आईसीएमआर ने सलाह दे डाली कि देश में स्कूल खोले जा सकते हैं और पहले प्राइमरी स्तर के स्कूलों को खोलना ज्यादा विवेकपूर्ण होगा। लेकिन हम ये न भूलें कि देश में चालीस करोड़ लोगों पर से संक्रमण का संकट टला नहीं है। बचाव के लिये कोरोना प्रोटोकॉल का जिम्मेदारी से पालन करना होगा। आईसीएमआर ने कहा भी है कि वे सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक समागमों से दूर रहें। अनावश्यक यात्रा को टालें और पूरी तरह टीकाकरण कराने के बाद ही यात्रा की योजना बनायें। हम न भूलें कि देश में अब तक सरकारी आंकड़ों के हिसाब से चार लाख से अधिक लोग संक्रमण से जान गंवा चुके हैं। अभी भी कई राज्यों में संक्रमण की दर तेज है और कई तरह के प्रतिबंध लगे हैं। हर दिन चालीस हजार के आस–पास संक्रमितों का सामने आना हमें लापरवाह न होने का संदेश देता है। सर्वे ने यह भी निष्कर्ष दिया कि शहरों में गांवों के मुकाबले ज्यादा एंटीबॉडी विकसित हुई। वहीं पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों में ज्यादा एंटीबॉडी विकसित हुई। यह सुखद है कि वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले लोगों में करीब नब्बे फीसदी एंटीबॉडी पायी गई, जिसके लिये वैक्सीनेशन अभियान की सफलता को श्रेय दिया जा सकता है।

चीनी साम्राज्यवाद के मुकाबले का वक्त

जी. पार्थसारथी

इस विवादास्पद मुद्दे पर बहस होती रहती है कि क्या नई बनती वैश्विक व्यवस्था, जिसमें उतरोत्तर मुखर और आक्रामक होता चीन अपना प्रभुत्व बनाना चाहता है, इसके मद्देनजर भारत को अपनी गुट–निरपेक्ष नीति त्याग देनी चाहिए। हालांकि, गुटनिरपेक्षता के आदर्श या कहें कि दरअसल गुटनिरपेक्षता निभाने के फायदे भी हैं। तभी रूस और अमेरिका, दोनों देशों के साथ हमारे संबंध मधुर हैं। तथापि आज की दुनिया में हकीकत यह है हमारी सीमाओं पर शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले चीन से चुनौतियां दरपेश हैं। चीन अपनी बढ़ती आर्थिकी और सैन्य ताकत का निरंतर दुरुपयोग करते हुए 18 मुल्कों के साथ लगती थलीय और जलीय सीमा संबंधी मनमाने दावे जता रहा है। हम यह भी देख रहे हैं चीन द्वारा राष्ट्रों के हक रौंदकर अपना प्रभुत्व बनाने के खिलाफ उठ खड़े होने को वियतनाम जैसे छोटे देशों के दृढ़ निश्चय और इच्छाशक्ति में इजाफा भी हुआ है।चीनी नेतृत्व के दिमाग में यह ग्रंथि है कि राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों के नियम वह तय करेगा और उन्हें उनका पालन करना होगा। भारत के खिलाफ चीन की नीति एकदम साफ है, वह हमारी घेराबंदी करना चाहता है, इसके लिए सैन्य ताकत इस्तेमाल कर समय–समय पर 'सलामी कटिंग' वाली नीति से टुकड़ों में इलाका हड़पता आया है। जहां पहले उसका ध्यान हमारी पूरबी सीमाओं पर भूमि कब्जाने पर केंद्रित था, वहीं पिछले कुछ सालों से अब लद्दाख वाली उत्तरी सीमा पर भी यही करने लगा है। पिछले साल हिमालय की ऊंचाइयों पर बनी आमने–सामने वाली तनावपूर्ण स्थिति के बाद, जिसमें दोनों ओर से टैंक तक तैनात कर दिए गए थे, अंततः चीनी फौज के पीछे हटने पर संधि हुई थी। तय हुआ था कि चीनी सैनिक जनवरी, 2020 वाले अपने ठिकानों तक वापस होंगे। इसके बावजूद भारतीय क्षेत्र में देपसांग, गोगरा और हॉट स्प्रिंग इलाके पर अभी भी चीन का नियंत्रण बरकरार है।भारत को 'नाथने' के प्रयासों में चीन का एक तरीका यह भी है

विस्थापन के नैतिक व मानवीय प्रश्न

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली की सीमा से सटे फरीदाबाद में अरावली की गोदी में बसी विशाल बस्ती में जहां कुछ दिनों पहले तक जिंदगी की रवानगी थी वहां आज वीरानी, आशंका व भय का आलम है। खोरीगांव के दस हजार घरों में रहने वाले करीब एक लाख लोग सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सड़क पर आ गये हैं। कोर्ट के आदेश पर्यावरण चुनौती और कानून के हिसाब से भले ही सटीक हैं, लेकिन भरी बरसात में बीस हजार बच्चों के साथ सीधे सड़क पर आ गए लोगों के अनिश्चित भविष्य के सवाल भी जवाब मांगते हैं! आखिर जिस तंत्र की लापरवाही से यह कथित अवैध कब्जे का साम्राज्य खड़ा होता है, वह ऐसी मानवीय त्रसदी में निरापद कैसे रह जाता है।शायद ही देश में इतना बड़ा अतिक्रमणरोधी अभियान कभी चला होगा, जिसमें 35 धार्मिक स्थल, पांच स्कूल, दो अस्पताल, बड़ा–सा बाजार सहित समूची बस्ती नेस्तनाबूद होगी, वह भी विस्थापितों के लिए बगैर किसी वैकल्पिक व्यवस्था के। निस्संदेह, समूची कार्रवाई उसी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हो रही है, जिसके कई ऐसे आदेशों पर पहले राज्य सरकारें कुंडली मार कर बैठी रही हैं। विचारणीय है कि यदि देश से सरकारी जमीन से सभी अवैध कब्जे हटा दिए जाएं तो भारत का स्वरूप कैसा होगा? आंचलिक क्षेत्रें की बात तो दूर की, राजधानी में ही अवैध–कॉलोनियों को नियमित करने, झुग्गी बस्ती बसाने व विस्थापन पर नए स्थान पर जमीन देने, मुआवजा के तमाशे सालों से सरकार करती रही हैं।खोरीगांव अरावली पहाड़ की तली पर अस्सी के दशक में तब बसना शुरू हुआ, जब यहां खनन शुरू हुआ। पहले खदानों में काम करने वाले मजदूरों की कुछ झुग्गियां बसीं, फिर इसका विस्तार लकड़पुर गांव से दिल्ली की सीमा तक हुआ। फिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अरावली में खनन पाबंद कर दिया गया। फिर बस्ती मेहनत–मजदूरी करने वालों से आबाद होती चली गई। अधिकांश उ.प्र.–बिहार के श्रमिक। पावर ऑफ अटार्नी पर गरीब–श्रमिक जमीन खरीदते रहे और अपनी सारी कमाई लगा कर अधपके ढांचे खड़े करते रहे। फरीदाबाद–गुरुग्राम सड़क आने के बाद सारा इलाका नगर निगम क्षेत्र में अधिसूचित हो गया। इस एक लाख आबादी की रिहायश भले ही हरियाणा में हो लेकिन दिल्ली से तार खींच कर यहां घर–घर बिजली दी गई। बाकायदा साढ़े तेरह रुपये यूनिट की वसूली ठेकेदार करते थे। पानी के लिए टैंकर का सहारा। हर घर में बड़ी–बड़ी टंकियां थीं, जिसमें एक हजार रुपये प्रति टैंकर की दर से माफिया पानी भरता था। वहीं पीने हेतु बीस रुपये की बीस लीटर वाली बोतल की घर–घर सप्लाई की व्यवस्था यहां थी। यहां हर महीने अकेले बिजली–पानी का कारोबार बीस करोड़ से कम का न था। इतने बड़े व्यापार तंत्र का संचालन बगैर सरकारी मिलीभगत से हो नहीं सकता। यहां हर एक बाशिंदे के पास मतदाता पहचान पत्र हैं और बाकायदा चार मतदाता केंद्र स्थापित किए जाते थे।

असल में खोरी–लकड़पुर की कोई 100 एकड़ जमीन नगर निगम की है। पंजाब भूसंरक्षण अधिनियम–1900 के तहत यह जमीन वन विकसित करने के लिए अधिसूचित है और यहां कोई भी गैर–वानिकी कार्य वर्जित है। अरावली क्षेत्र से अवैध कब्जे हटाने के लिए दायर एक जनहित याचिका पर फरवरी और अप्रैल, 2020 में सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार को खोरी का अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिये थे लेकिन राज्य सरकार जनाक्रोश और हिंसा के डर की आड़ में अतिक्रमण हटाने से बच रही थी। सात जून, 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने फरीदाबाद के उपायुक्त और पुलिस प्रमुख को अतिक्रमण न हटा पाने की दशा में व्यक्तिगत जिम्मेदार निरूपित करते हुए छह हफ्ते में आदेश के पालन के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कह दिया कि जमीन पर कब्जा कर गैरकानूनी काम करने वालों को वह कोई छूट नहीं दे सकती।

इसके बाद खोरी खंडहर हो रहा है। यहां की बिजली काट दी गई। कई लोग खुद ही मकान तोड़ रहे हैं। हरियाणा सरकार ने यहां से उजड़े लोगों को डबुआ में बने ईडब्ल्यूएस फ्लैट देने की घोषणा की है, लेकिन यह सरल नहीं है। एक तो मतदाता सूची में नाम हो, दूसरा सालाना आय साढ़े तीन लाख से कम का प्रमाणपत्र और तीसरा कि याची का टूटा मकान हरियाणा की सीमा में हो, जान लें कि इनमें आधे मकान दिल्ली–सीमा में हैं। यहां कई प्रदर्शन, धरने, हिंसा में भी तीन लोग आत्महत्या कर चुके हैं, आखिर यहां से उजाड़े गए एक लाख लोग जाएं कहां? इतनी बड़ी आबादी के लिए तत्काल घर तलाशना, वह भी अपने कार्य–स्थल के आसपास, लगभग असंभव है। हालांकि, अदालत व प्रशासन से यह उम्मीद जरूर थी कि यहां जमीन, पानी व बिजली बेचने वालों पर न केवल आपराधिक मुकदमे हों, बल्कि उनकी संपत्ति से विस्थापित लोगों को आवास मुहैया करवाया जाए।खोरी के इतने बड़े विस्थापन पर राजनीतिक रूप से कोई बड़ा बवाल न होना जताता है कि इतनी बड़ी बस्ती को बसा कर अपने महल खड़े करने वालों में हर दल के लोग समान भागीदार होते हैं। वैसे यह भी जानना जरूरी है कि देश में कुल वन भूमि के दो प्रतिशत अर्थात् 13 हजार वर्ग किलोमीटर पर अवैध कब्जे होने की बात केंद्र सरकार ने एक सूचना के अधिकार की अर्जी में स्वीकार की है। इससे पहले पांच जुलाई, 2013 को सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बने धार्मिक स्थलों की सूची मांगी थी और सन् 2016 में आदेश दिया था कि ऐसे बीस लाख से ज्यादा कब्जे हटाए जाएं। आदेश को पांच साल से अधिक हो गया। इसका क्रियान्वयन हुआ नहीं।

पेट्रोलियम की महंगाई, नेताजी की छनती मलाई, लोगों को खाए जात डायन महागाई।'

उमेश तिवारी

कोरोना के चलते बड़ी आबादी के रोजगार धंधे चौपट हो गए हैं लोगों के हाथों से रोजगार छिन चुके हैं उनकी माली हालत खराब है उस पर पेट्रोल डीजल रसोई गैस की बेतहाशा बढ़ती कीमतें असहनीय हो गई हैं। डीजल - पेट्रोल की लगातार मूल्य वृद्धि से जहां वाहनों का किराया भाड़ा और वस्तुओं की परिवहन लागत बढ़ती जा रही है वहीं रसोई गैस गरीबों की पहुंच से दूर होती जा रही है।

2004 से 2021 का समय काल देखें तो पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ी नहीं बल्कि उछाल लगाई है। 2004 में पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर 36 रुपये 81 पैसे थी, 2014 में 71 रुपये थी, 2021 में 111रुपये 33 पैसे है। डीजल 2004 में प्रति लीटर 24 रुपये 16 पैसे, 2014 में 57 रुपए, 2021 में 99 रुपये 75 पैसे प्रति लीटर है। रसोई गैस 2004 में 261 रुपये 50 पैसे, 2014 में 414 रुपये, 2021 में 861 रुपये प्रति सिलेंडर है। गौर करने वाली बात है कि आजादी के समय 1947 में पेट्रोल की कीमत 27 पैसे प्रति लीटर थी।ऐसे बढ़ जाता है पेट्रोल डीजल का दाम

पेट्रोल और डीजल के दाम में एक्साइज डड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोडने के बाद इनका दाम दोगुना हो जाता है। उदाहरण के तौर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो 16 जून के उपलब्ध अंतिम आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल का मूल्य 96.66 रुपये प्रति लीटर था। इसमें इंडियन ऑयल की रिफाइनरी से निकलने वाले पेट्रोल की कीमत 37.29 रुपये थी। औसतन 36 पैसे की परिवहन लागत के साथ पेट्रोल पंप मालिकों को पेट्रोल 37.65 रुपये प्रति लीटर मिला। डीलर को प्रति लीटर 3.80 रुपये का कमीशन मिला। इस पर केंद्र सरकार का 37.65 रुपये का उत्पाद शुल्क और राज्य सरकार का 22.31 रुपये का वैट जुडने के बाद कीमत 96.66 रुपये प्रति लीटर हो गई। इसी प्रकार 16 जून को 87.41 रुपये में बिकने वाला डीजल डीलर को 40.23 रुपये का मिला। डीलर का कमीशन 2.59 रुपये बना। डीजल पर केंद्र सरकार 31.80 रुपये का उत्पाद शुल्क लेती है जबकि दिल्ली सरकार 12.79 रुपये वैट लेती है।

देश में लगभग हर महीने पेट्रोल की खपत 24 लाख टन, डीजल की खपत 62 लाख टन और रसोई गैस की खपत लगभग 23 लाख टन हो रही है। इस तरह प्रति लीटर से की जा रही कमाई के हिसाब में पेट्रोलियम से केंद्र एवं राज्य की सरकारों को अरबों खरबों की कमाई हो रही है। पेट्रोलियम सरकार के लिए दुधारू गाय बना है जिससे नेताओं की मलाई छन रही है। जहां पेट्रोलियम की बढ़ती कीमतों से पेट्रोल, डीजल, कपड़ा, सब्जियां, दूध, फल, अनाज, मांस, बिजली, टीवी, फ्रीज, सोना –चांदी, किताब, कॉपी, साबुन, शैम्पू, डिटर्जेंट जैसे चीजो की कीमतें आसमान छू रही है, जिससे आम आदमी हैरान और हलकान है। वहीं देश के प्रधान कम परिधानमंत्री मोदी जी के प्रचार प्रसार में पिछले 6 साल में हर दिन 3 करोड़ 23 लाख रुपए खर्च किये गए है तथा उनकी विदेश यात्र में 5 साल में 465 करोड़ रुपये खर्च किए यानी विदेश यात्र में 25 लाख 44 हजार 427 रुपए हर रोज खर्च किये गए है।

हेयर एक्सटेंशन खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

अगर आपके बाल पतले हैं तो आप उन्हें घना बनाने के लिए हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। अच्छी बात तो यह है कि इसे लगाने के बाद किसी को इस बात का पता नहीं चलता है कि ये आपके असली बाल हैं या नहीं। हालांकि यह तभी संभव है जब आप सही हेयर एक्सटेंशन को चुनें। आइए आज आपको कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जिन्हें ध्यान में रखकर आप सही हेयर एक्सटेंशन का चयन कर सकते हैं।सिंथेटिक या ह्यूमन हेयर एक्सटेंशनहेयर एक्सटेंशन दो तरीके (सिंथेटिक और ह्यूमन हेयर) के होते हैं। बालों को अधिक घना बनाने के लिए सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन का इस्तेमाल करना बेहतरीन है, लेकिन इस पर हीट स्टाइलिंग नहीं की जा सकती है क्योंकि सिंथेटिक बाल पिघल सकते हैं या जल सकते हैं। यह हेयर एक्सटेंशन सस्ते भीहोते हैं, वहीं, ह्यूमन हेयर एक्सटेंशन महंगे होते हैं, लेकिन इन्हें स्टाइल करना आसान है। इसके साथ ही हीट स्टाइलिंग के लिए यह बेहतर विकल्प माने जाते हैं।हेयर एक्सटेंशन के प्रकार पर दें ध्यानआजकल मार्केट में कई तरह के हेयर एक्सटेंशन मौजूद हैं

लोनिवि व पीएमजीएसवाई योजना के लम्बित मुआवजों का शीघ्र भुगतान होगा: सतपाल महाराज

करोड़ों रूपये की योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास
क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों की समस्याओं को भी सुना

पौड़ी। लोक निर्माण विभाग एवं पीएमजीएसवाई योजना के तहत जितने भी लोगों के मुआवजे लंबित है उन सभी को शीघ्र ही भुगतान किया जाएगा। उक्त बात शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में करोड़ों रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और करते हुए प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई मंत्री एवं विधायक श्री सतपाल महाराज ने ने कही।प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री, विधायक श्री सतपाल महाराज ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में 9 लाख 27 हजार की लागत से सुकई के तहत पाईप लाईन के विस्तारीकरण की योजना का शिलान्यास करने के साथ-साथ 4 करोड़ 30 लाख 33 हजार की लागत से जिवई-विरगडा मोटर मार्ग के डामरीकरण का लोकार्पण, स्यूंसी-आमकुलाउ मोटर मार्ग की 1 करोड़ 20 लाख 36 हजार की लागत से होने वाले द्वितीय चरण के शिलान्यास, डांडा ग्वीन (ग्राम सभा ग्वीन) तक 1 करोड़ 20 लाख की लागत से मोटर मार्ग के नव निर्माण कार्य का शिलान्यास करने के अलावा लोनिवि मंत्री, चौबट्टाखाल विधायक श्री महाराज ने 5 करोड़ 48 लाख 22 हजार रूपये की धनराशि से निर्मित मैठाणा घाट बवांसा-रसिया महादेव मोटर मार्ग और कोठिला में विधायक निधि से किये गये कार्यों का लोकार्पण भी किया। लोकार्पण, शिलान्यास एवं अन्य विकास कार्यों के निरीक्षण के दौरान चौबट्टाखाल विधायक और कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने लोक निर्माण विभाग और पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के समय अधिग्रहित की गई लोगों की भूमि के वर्षों से लंबित मुआवजों के शीघ्र भुगतान के निर्देश भी दिए। श्री महाराज ने अधिकारियों को शासनादेश के तहत कार्य करने और लोगों की भावनाओं का भी ध्यान रखने को कहा। अपने विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रूपये की कई योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के साथ-साथ उन्होने बीरोंखाल में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पी.पी. मोड) की व्यवस्थाओं व पर्यटन विभाग द्वारा निर्माणाधीन पर्यटक आवास गृह निरीक्षण भी किया। लोकार्पण, शिलान्यास और विभिन्न विकास कार्यों के निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनता और जनप्रतिनियों को संबोधित करने से पूर्व राष्ट्रीय बौक्सिंग चौम्पियन शिप में थैलीसैण निवासी जयदीप रावत को गोल्ड मैडल मिलने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्र के लिए यह गौरव की बात कही। श्री महाराज ने कहा कि पूरे राज्य में बड़ी तेजी के साथ भाजपा सरकार विकास को करने में लगी है। कोविड के कारण कुछ परेशानियां रही हैं लेकिन अब कुछ हद तक हालात सुधरे हैं। कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक सतपाल महाराज ने कहा कि हमने कोविड काल को देखते हुए सिंचाई विभाग में बड़े ठेकों को छोटा करके स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराने की बड़ी शुरूआत की है। इस मौके पर उनके साथ उनके सुपुत्र सुयश रावत, बीरोंखाल भाजपा मण्डल अध्यक्ष यशपाल गोर्ला, ब्लाक प्रमुख राजेश कण्डारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख दर्शन सिंह रिगोड़ा, कविता पोखरियाल, प्रधान संघ के अध्यक्ष ओमपाल, महामंत्री मुकेश पोखरियाल, राकेश नेगी, हर्षपाल, वेद प्रकाश वर्मा, महिपाल पटवाल, मैत्री प्रकाश, योगेश बंगारी, अनूप पटवाल, ग्राम प्रधान प्रतिमा देवी, धीरेन्द्र सिंह, मोहन सिंह, सेवानिवृत्त कर्नल यशपाल नेगी सहित सिंचाई, लघु सिंचाई, पीएमजीएसवाई और लोक निर्माण के अधिकारी भी मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गिरोह का एसटीएफ ने किया पर्दाफाश

ऑनलाइन फर्जी एंटी वायरस बेचने के नाम पर विदेशी नागरिकों से ठगी

देहरादून। ऑनलाइन फर्जी एंटी वायरस बेचने के नाम पर विदेशी नागरिकों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। एसटीएफ ने गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ठगी की घटना को अंजाम देने के लिए विक्टर उर्फ जॉन मिलर और प्रदीप नैनवाल लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, हाईटेक टूल्स,सॉफ्टवेयर्स का इस्तेमाल कर गूगल कंपनी के सिक्योरिटी को भी बाईपास करने के लिए डार्क वेब से खरीदे सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते थे। ठग हर माह दस से पंद्रह लाख धोखाधड़ी कर लेते थे। मास्टरमाइंड विक्टर के पास लग्जरी कार बीएमडब्ल्यू, लैंड क्रूजर, इंनोवा, टोयोटा कोरोला भी बरामद हुई। पिछले कई दिनों से स्पेशल टास्क फोर्स उत्तराखंड सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक टूल्स के प्रयोग को ट्रैक कर रही थी।

मीराबाई चानू की सफलता पर देश को गर्व : सीएम धामी

देहरादून। टोक्यो ओलिंपिक में महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने भारत को 49 किग्रा महिला वेटलिफ्टिंग में पदक दिलाकर भारत का खाता खोला है। उन्होंने क्लीन एंड जर्क की अपनी दूसरी कोशिश में कुल 115 किग्रा वजन उठाया। उनकी इस सफलता पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी समेत अन्य हस्तियों ने शुभकामनाएं दी हैं। रियो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके बाजपुर के ओलंपियन गुरमीत सिंह ने कहा कि मीराबाई युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। टोक्यो ओलंपिक्स में भारत का खाता खोलने वाली मीराबाई चानू पर पूरा देश गर्व कर रहा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री विधायक से लेकर तमाम हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। मीराबाई चानू की इस सफलता के लिए उनकी तारीफ करते हुए उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट करते हुए उन्हें जीत की बधाई दी। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ट्वीट किया, टोक्यो ओलंपिक्स में भारत्तोलन प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाने के लिए मीराबाई चानू को हार्दिक बधाई। वहीं, भाजपा विधायक चंद्रा पंत लिखती है, साइखोम मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए पहला सिल्वर जीत कर हमें गौरवान्वित किया है। आपको बहुत-बहुत बधाई। पूरे देश को आप पर गर्व है।युवाओं के लिए प्रेरणा हैं मीराबाईरियो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके बाजपुर के ओलंपिय गुरमीत सिंह ने मीराबाई को जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मीराबाई युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। पहले ही दिन देश की झोली में मेडल आने से आगे के लिए खिलाडियों में जोश और उत्साह बना रहेगा। गुरमीत ने कहा कि दो साल कोरोना वायरस में जो मेहनत मीराबाई ने की है, आज वो सफल हुई है। उनकी इस सफलता पर देश के साथ ही उत्तराखंड भी गर्व करता है।

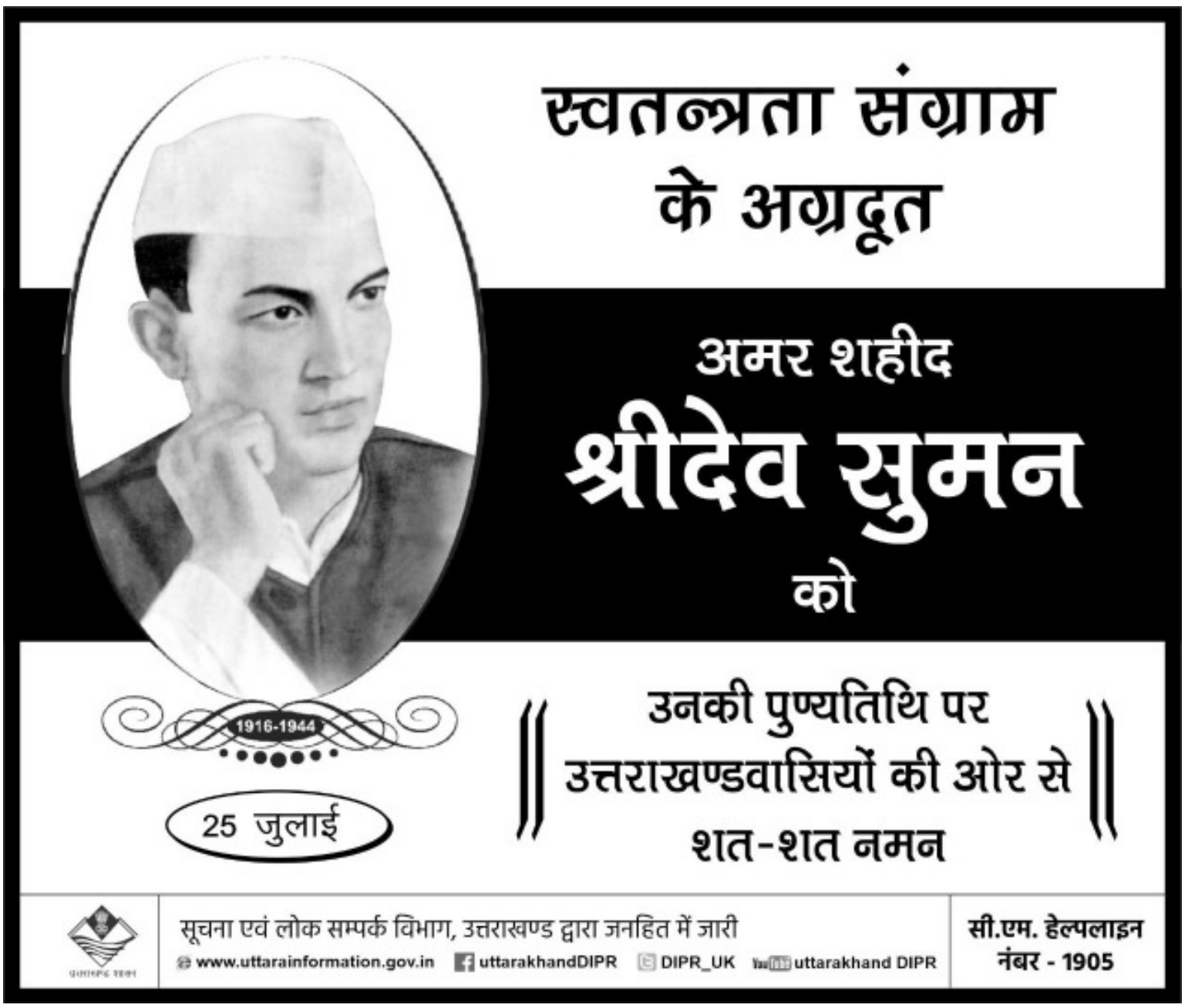

भाभी की शिकायत पर ननद के खिलाफ केस

नैनीताल। शहर के मल्लीताल निवासी एक महिला ने अपने परिजनों पर प्रताडिघ्त करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार रूकुट कंपाउंड निवासी रीना ठाकुर ने तहरीर में कहा है कि तलाक के बाद काफी समय तक उसकी ननद उनके घर पर ही रह रही थी। कोविड के चलते कुछ समय पूर्व उसके पति की मृत्यु हो गई। जिसके बाद ननद की ओर से उसके पति की सारी संपत्ति व बीमे की रकम हड़पने का प्रयास किया गया। यही कारण है कि महिला के साथ रोजाना गालीगलौज तथा मारपीट की जाती है। कोतवाल अशोक कुमार ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर रूकुट कंपाउंड निवासी उमा ठाकुर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

काशी सिंह ऐरी बने उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष

कार्यकर्ताओं के भारी उत्तसाह के बीच उक्रांद का द्विवार्षिक महाअधिवेशन शुरू

देहरादून। पूर्व विधायक और यूकेडी के वरिष्ठ नेता काशी सिंह ऐरी को उत्तराखंड क्रांति दल का केंद्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उत्तराखंड क्रान्ति दल का द्विवार्षिक अधिवेशन शास्त्री नगर देहरादून स्थित राजधानी वैडिंग प्वाइंट में दल के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थित व प्रदेश भर के विभिन्न जनपदों से भारी संख्या मे पहुंचे कार्यकर्ता व डेलीगेट्स के उत्साह के बीच शुरु हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि दल के वरिष्ठ नेता दिवाकर भट्ट, दल के वरिष्ठ नेता काशी सिहं ऐरी, त्रिवेन्द्र सिंह पंवार, नारायण सिंह जंतवाल, पुष्पेश त्रिपाठी सहित दल के सर्वोच्च नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर किया। दल के वरिष्ठ नेता काशी सिंह ऐरी की अध्यक्षता मे शुरू प्रथम सत्र की बैठक में अपने स्वागत भाषण में दल के वरिष्ठ नेता पूर्व अध्यक्ष बी.डी. रतूड़ी ने दल की मजबूती के लिये सामूहिक प्रयास व सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज दल के सामने प्रदेश को बचाने की जो चुनौतियां हैं एकजुट होकर ही उसका समना किया जा सकता है। पूर्व अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह पंवार ने कहा कि संगठन को गाँव तक मजबूत करना होगा। तभी सफलता मिल सकती है। प्रथम सत्र में दल की ओर से द्विवार्षिक रिपोर्ट सदन में रखने के पश्चात विभिन्न जिलो से आये जिलाध्यक्षों ने जनपद की रिपोर्ट सदन में रखी व दल की मजबूती के लिये कार्य करने का संकल्प लिया। कोविड नियमो की बाध्यता के बाद भी प्रदेश के दूर दराज छैत्रों से भारी संख्या में कार्यकर्ता महाधिवेशन में पहुंचे इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। राजनीतिक प्रस्ताव में गैरसैंण को स्थायी घोषित करने, मूलनिवास को सन 1950 लागू करने,राज के मूलनिवासियों को 70 प्रतिशत आरक्षण लागू करने,राज्यान्दोलनकारियों को 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देना,सख्त भू–कानून लागू करने,पर्यटन और तीर्थाटन को उद्योग का दर्जा देने,समूह ग की भर्ती लोक स्व आयोग की परिधि से बाहर किया जाय ,पुलिस ग्रेड पे की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ किया जाय सहित 18 राजनीतिक प्रस्ताव पास किये गये। शांय 5. 30 बजे चुनाव की प्रक्रिया आरम्भ हुये। दल की ओर से इंद्र सिंह मनराल निर्वाचन अधिकारी, तथा विजय बौड़ाई सह–चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गए। सदन में बी0डी0 रतूड़ी द्वारा दल के केंद्रीय अध्यक्ष पद के लिये काशी सिंह ऐरी के नाम का प्रस्ताव रखा, प्रस्ताव का अनुमोदन दिवाकर भट्ट, त्रिवेंद्र सिंह पंवार, डा नारायण सिंह जंतवाल, पुष्पेश त्रिपाठी, एपी जुयाल, हरीश पाठक, चंद्र शेखर कापड़ी व सुरेंद्र कुकरेती ने किया। सर्व सहमति से सदन में चुनाव अधिकारी इंद्र मनराल व सह चुनाव अधिकारी एडवोकेट विजय बौड़ाई ने काशी सिंह ऐरी को सदन के बीच उत्तराखंड क्रांति दल का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। सदन को संबोधित करते हुये नवनिर्वाचित अध्यक्ष ऐरी कहा कि जो गलतियां अभी तक हुई है उन गलतियों को दोहराया नहीं जायेगा। प्रत्येक को जबाबदेह होना पड़ेगा। प्रत्येक पदाधिकारी का आंकलन उसके कार्यो के अनुसार किया जायेगा। समस्त उक्रांद कार्यकर्ताओ ने गर्मजोशी के साथ श्री ऐरी ही का स्वागत किया।

सावन के महीने में भगवान शिव की उपासना का और भी अधिक महत्व क्यों है जानिए आचार्य श्री चंडी प्रसाद घिल्डियाल की कलम से

● श्रावण का सौर मास प्रारंभ हो रहा है 16 जुलाई से जबकि चंद्रमास प्रारंभ होगा 25 जुलाई से ● सावन सौर मास का पहला सोमवार 19 जुलाई को जबकि चंद्र मास का पहला सोमवार 26 जुलाई को होगा

धार्मिक तौर पर सावन के महीने को बहुत ही पवित्र महीनों में गिना जाता है। भारत में लोग इस महीने के सोमवार को बहुत ही सौभाग्यशाली और पुण्य फलदाई मानते हैं। सावन के सोमवार का विशेष महत्व होता है। इसलिए क्योंकि सौर मास 16 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है तो सौर मास का पहला सोमवार का व्रत 19 जुलाई को रखा जाएगा जबकि चंद्रमास 25 जुलाई से शुरू हो रहा है तो उसका पहला सोमवार 26 जुलाई को पड़ेगा चंद्र मास के अनुसार सावन का महीना केवल 29 दिन का होगा क्योंकि इसमें द्वितीय और नवमी तिथि का शुक्ल पक्ष में क्षयहो रहा है इसलिए शुक्ल पक्ष 14 दिन का होगा जबकि कृष्ण पक्ष पूरे 15 दिन का रहेगा इसलिए सौर मास के अनुसार सावन में पांच सोमवार होंगे जबकि चंद्रमास के अनुसार केवल चार सोमवार होंगे।

ऐसे करें भगवान पशुपतिनाथ को प्रसन्न–

मंत्रों की ध्वनि को यंत्रों में परिवर्तित कर मानव जीवन की सभी समस्याओं को हल करने की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित ज्योतिषाचार्य डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल बताते हैं यदि किसी की जन्मपत्री में मारक योग चल रहा हो उसके लिए इस महीने में मृत्युंजय शिव यंत्र पूर्ण वैदिक और वैज्ञानिक पद्धति से शुद्ध करने से उसका अल्पायु योग टलजाता है जिनके घर गृहस्ती में टकराव चल रहा हो अथवा जिनका विवाह न हो रहा हो उनके लिए गृहस्थ सुख बाधा निवारण यंत्र बनाने से संकट टल जाता है। संतान प्राप्त ना हो रही हो तो संतान की प्राप्ति हो जाती है नौकरी न मिल रही हो तो प्राप्त हो जाती है। असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं। सावन में रोज 21 बेलपत्रों पर चंदन से 'ऊं नमः शिवाय' लिखकर शिवलिंग पर चढ़ाने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

● विवाह में आने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए सावन में रोज शिवलिंग पर केसर मिला दूध चढ़ाएं और गृहस्थ सुख बाधा पति अथवा पत्नी सुख बाधा निवारण यंत्र पूर्ण वैदिक और वैज्ञानिक पद्धति से सिद्ध कर बनाया जाए तो इससे विवाह में आने वाली सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी।

● घर में नकारात्मक शक्तियों से बचने के लिए सावन में रोज सुबह घर में गंगाजल का छिड़काव करें और धूप जलाएं।

श्रीमद्भागवत रत्न से सम्मानित आचार्य डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल विश्लेषण करते हुए बताते हैं कि सावन में गरीबों को भोजन कराने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। इससे घर में कभी भी अन्न की कमी नहीं होती और साथ ही पितरों को भी शांति मिलती है।

● सावन में रोज सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निपट कर मंदिर या फिर घर में ही भगवान शिव का जलाभिषेक करें. इसके साथ ही 'ऊं नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें।

● व्यापार और बिजनेस बढ़ाने के लिए सावन के महीने में किसी भी दिन घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें और उसकी यथा विधि पूजन करें। और इसके साथ सर्व मनोरथ सिद्धि यंत्र सिद्ध किया जाए तो व्यापार में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हो जाती है।

● प्रत्येक मंत्र के साथ बेलपत्र शिवलिंग पर चढ़ाएं. बिल्वपत्र के तीनों दलों पर लाल चंदन से क्रमशः ऐं, ह्री, श्रीं लिखें.

अंतिम 18 वां बेलपत्र को शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद निकाल लें और इसे घर के पूजन स्थान पर रखकर प्रतिदिन पूजा करें.

संतान प्राप्ति? के लिए सावन में गेहूं के आटे से 11 शिवलिंग बनाएं और प्रत्येक शिवलिंग का शिव महिम्न स्त्रोत से 11 बार जलाभिषेक करें।

● सावन में किसी सोमवार को पानी में दूध व काले तिल डालकर शिवलिंग का अभिषेक करने से बीमारियां दूर होती हैं. अभिषेक के लिए तांबे के बर्तन को छोड़कर किसी भी धातु का उपयोग किया जा सकता है।

● सावन में किसी नदी या तालाब में जाकर आटे की गोलियां मछलियों को खिलाएं और साथ ही साथ मन में भगवान शिव का ध्यान करें इससे आपको मनचाहे फल की प्राप्ति होगी।

माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए किया था ये काम

भगवान शिव को पार्वती ने पति रूप में पाने के लिए पूरे सावन महीने में कठोर तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनकी मनोकामना पूरी की. अपनी भार्या से पुनः मिलाप के कारण भगवान शिव को सावन का यह महीना अत्यंत प्रिय हैं। यही कारण है कि इस महीने कुंवारी कन्या अच्छे वर के लिए शिव जी से प्रार्थना करती हैं। यह भी मान्यता हैं कि सावन के महीने में भगवान शिव ने धरती पर आकार अपने ससुराल में विचरण किया था जहां अभिषेक कर उनका स्वागत हुआ था। इसलिए इस माह मे रुद्राभिषेक कराने का बहुत बड़ा महत्व है।

महिलाएं पर्वतीय विकास का केन्द्र बिन्दु हैं : डॉ० विनीता पाण्डे

पहा की जिन्दगी भी पहा की तरह ही दुरूह है। यहाँ जिन्दगी हर पल एक चुनौती है। मौसम की अनिश्चितताएं जहाँ जीवन को दुष्कर बनाती हैं, वहीं रोजगार का अभाव पुरुषों को पलायन के लिए विवश कर देता है। यहाँ की जनसंख्या में लगभग 7० प्रतिशत राजपूत तथा 2० प्रतिशत ब्राह्मण हैं। राजपूत वर्ग में अधिसंख्य युवा सैन्य सेवाओं के प्रति आकृष्ट होते हैं तथा ब्राह्मण अध्यापन के प्रति। सभी को रोजगार के लिए अपने घर को छोना पता है। ढालदार सीढीनुमा खेतों में इतनी उपज नहीं होती कि सारे परिवार का जीवन निर्वाह हो सके। मैदानी क्षेत्रों से पककर पहाों में छो गये बन्दरों के उत्पाद तथा जंगली सुअरों ने फलों तथा सब्जियों की खेती को भी बर्बाद कर दिया है। पुरुष कार्यशील जनसंख्या के अभाव में बच्चों तथा बुजुर्गों के पालन के दायित्व के साथ धनोपार्जन में पुरुषों को सहयोग देने में भी महिलाएं अपना दायित्व निष्ठा से निभा रही हैं। परिवार के पालन के अतिरिक्त पहा की महिला का दूसरा मोर्चा पर्यावरण है। यह उत्तरदायित्व उसने स्वयं ही ओ लिया है। प्रकृति के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा पहली बार चिपको आन्दोलन में दिखाई दी जब गौरा देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पेों को काटे जाने का विरोध किया और पेों को काटने के लिये आतुर कुल्हायिों के सामने पेों से चिपककर उन्हें बचा लिया था। चिपको आन्दोलन के दौरान गाये जाने वाले इस प्रसिद्ध गीत में उनका प्रकृति प्रेम उजागर होता है– उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन तथा शराब विरोधी आन्दोलन में भी अग्रणी भूमिका का निर्वाह करते हुए पहा की महिलाओं ने अपना सामाजिक उत्तरदायित्व बखूबी निभाया है। देखा जाय तो पर्वतीय जीवन के सभी क्षेत्र महिलाओं के सहयोग की कहानी कहते हैं। इन सबके अतिरिक्त पहा की आर्थिकी में भी महिलाओ का प्रभाव दिखाई देता है। पहाी क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों से कृषि उपज प्राप्त करना, दुधारु पशुओं की देखभाल तथा उनके लिए चारे की व्यवस्था आदि महिलाएं ही करती हैं। इस क्षेत्र में एक कदम बढाते हुए अब महिलाओं ने दूध के विपणन में भी कदम बाया है। सहकारिता विभाग के सहयोग से उत्तराखण्ड की महिलाएं अब महिला डेयरी परियोजना को सफल बना रही हैं। इस योजना के अन्तर्गत महिलाएं अपने दुधारु पशुओं से प्राप्त दूध को डेयरी को बेच देती हैं। डेयरी उक्त दूध की जॉच करके उसकी गुणवत्ता के आधार पर मूल्य निर्धारित करती है। न तो दूध बेचने के लिए गॉव से बाहर जाना पता है और न ही उसका मूल्य वसूलने में कोई मेहनत करती पती है। डेयरी का संचालन भी महिलाओं के द्वारा किया जाता है तथा संचालन करने वाली महिला को मानदेय भी मिलता है। इस प्रकार महिलाएं अब उद्यमिता की दिशा में भी आगे आ रही हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी मे मुस्लिमों व दलितों को किया गया नजर अंदाज–एडवोकेट राव फरमान

हरिद्वार। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट राव फरमान अली ने कहा कि हाल ही में जारी प्रदेश कांग्रेस संगठन व कई समितियों का गठन किया गया। लेकिन इसमें कई बड़े मुस्लिम व् दलित नेताओं को नजर अंदाज किया गया। राव फरमान अली ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद कांग्रेस कमेटी का प्रदेश अध्यक्ष हरीश रावत को नियुक्त किया गया। हरीश रावत अपनी कड़ी मेहनत और लगन से राज्य में मुस्लिमों और दलितों को साथ जोड़कर राज्य में वर्ष 2002 में कांग्रेस की सरकार बनाने में कामयाब रहे। हरीश रावत लगातार जनमानस के संपर्क में रहकर राज्य की भलाई के लिए लगातार संघर्षरत रहे हैं। फलस्वरूप उन्हें उत्तराखंड का मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने राज्य की भलाई के लिए तथा विकास के लिए अनेको योजनाएं बनायी। मुख्यमंत्री रहते हुए हरीश रावत ने किसानों, मजदूरों, बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं के लिए कार्य किए। राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए दलितों और मुस्लिमों का बहुत अहम रोल रहा है। 70 विधानसभा सीटों वाले उत्तराखंड राज्य में बहुमत के लिए 36 का आंकड़ा आवश्यक है। जिसमें करीब 22 ऐसी विधानसभा सीटें हैं। जिसमें मुस्लिम व दलित निर्णायक भूमिका में है । अकेले हरिद्वार जिले में 11 में से 10 सीटों पर मुस्लिमों और दलितों का दबदबा है तथा निर्णायक भूमिका में है। उधम सिंह नगर में 9 विधानसभा सीटो तथा देहरादून में 3 विधानसभा सीटों पर दलित व मुस्लिम निर्णायक भूमिका में है। ऐसे में जब वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं और आम आदमी पार्टी तथा भीम आर्मी भी राज्य में अपनी दस्तक दे चुकी है। ऐसी स्तिथि में दलितों व मुस्लिमो को नजर अंदाज करना दुर्भाग्यपूर्ण है। दलित और मुस्लिम हरीश रावत को दोबारा मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। ऐसे समय में कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा मुस्लिमों व दलितों की कमेटियों में अनदेखी कर आखिरकार क्या संदेश देना चाहती है। राजनीतिज्ञों का मानना है कि मुस्लिम और दलितों की अनदेखी कर राज्य में वर्ष 2022 में कांग्रेस की सरकार लाना नामुमकिन है। एक कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में केंद्रीय और राज्य कांग्रेस नेतृत्व से अपील है कि कांग्रेस कमेटियों में मुस्लिमों और दलितों को उचित स्थान दिया जाए। ताकि हरीश रावत के नेतृत्व में राज्य में कांग्रेस की सरकार बन सके। एडवोकेट राव फरमान ने राज्य के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, चुनाव समिति के अध्यक्ष हरीश रावत, विधायक दल के नेता प्रीतम सिंह को बनाये जाने पर केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अमन कुमार, नरेश कुमार, कुशलपाल, राव काशिफ, राव हामिद, आबाद अल्वी, एडवोकेट नासिर, इरफान, निज़ाम पठान, रिजवान खान, दिलशाद खान, एड.राव शाहबाज़ अली, लव कुमार, रुस्तम मलिक, आजाद आदि मौजूद रहे।

गुरु के प्रति समर्पण व आस्था का पर्व का है गुरु पूर्णिमा–श्रीमहंत रविन्द्रपुरी

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने लिया श्रीमहंत रविंद्रपुरी से आशीर्वाद

हरिद्वार। मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति समर्पण व आस्था का पर्व है। अनादिकाल से ही सनातन धर्म में आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा पर्व के रूप में मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा पर्व पर श्रीमहतं रविन्द्रपुरी महाराज ने चरणपादुका मंदिर में पूजा अर्चना की और श्रद्धालु भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनिल मिश्रा, युवा भाजपा नेता शमिक मिश्रा सहित कई लोगों ने चरण पादुका मंदिर पहुंचकर श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज से आशीर्वाद लिया। कोरोना के चलते अधिक संख्या में भक्त श्रद्धालु नहीं पहुंच पाये। मंदिर के सेवादार, शिष्यों और स्थानीय भक्त श्रद्धालुओं ने श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि शिवपुराण के अनुसार अठ्ठाईसवें द्वापर में इसी दिन भगवान विष्णु के अंशावतार वेदव्यास का जन्म हुआ था। चारों वेदों का बृहद वर्णन करने और वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना करने के फलस्वरूप ही ये महर्षि व्यास नाम से विख्यात हुए। इन्होंने महाभारत सहित 18 पुराणों एवं अन्य ग्रन्थों की भी रचना की। जिनमें श्रीमद्भागवत महापुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी है। इस दिन जगतगुरु वेदव्यास सहित अन्य गुरुओं की भी पूजा की जाती है। सादा जीवन, उच्च विचार गुरुजनों का मूल मंत्र था। तप और त्याग ही उनका पवित्र ध्येय था। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि आजकल हरकी पैड़ी व अन्य गंगा घाटों पर हुड़दंग, नशा करने जैसे मामले सामने आ रहे हैं। ये बहुत गलत और धर्म के विपरीत आचरण है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि गंगा स्नान करने आएं तो मर्यादा बनाए रखें और गंगा का सम्मान करें। शांतिपूर्ण तरीके से गंगा पूजन, स्नान कर गंगाजल ले जायें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा सदियों से भारतीय संस्कृति में चली आ रही है। यह सर्वोत्तम परंपरा है। गुरु के बताए मार्ग पर चलकर ही शिष्य अपने जीवन को सद्मार्ग की ओर से ले जा सकते हैं। इस अवसर पर श्रीमहंत रामरतन गिरी, राजपुरी, धनंजय गिरी, अमृत गिरी, संदीप अग्रवाल, टीना टुटेजा, प्रतीक सूरी आदि उपस्थित रहे।

सरकार रहे तैयार, अतिवृष्टि से नुकसान होने की संभावना : ज्योतिष वैज्ञानिक 'चंडी प्रसाद घिल्डियाल'

आचार्य चंडीप्रसाद घिल्डियाल

देहरादून । ग्रहों के सेनापति मंगल बुधवार, 2० जुलाई को सिंह राशि में प्रवेश कर गए हैं। मंगल ग्रह शाम को 6 बजकर 19 मिनट पर सिंह राशि में गोचर करेगा। उत्तराखंड ज्योतिष रत्न आचार्य डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल का कहना है कि मंगल के इस राशि परिवर्तन से जहां एक तरफ देश एवं प्रदेश की राजनीति में शासकीय कार्यो में तेजी आएगी वही चार राशि वालों को बहुत ज्यादा संभलकर रहने की जरूरत है। मंगल के इस गोचर से मेष, कन्या, मकर और मीन राशि वालों को नुकसान हो सकता है। सौर वैज्ञानिक डॉक्टर घिल्डियाल का कहना है कि मंगल भूमि पुत्र होने से कहीं अतिवृष्टि तो कहीं वर्षा से जनधन की हानि का योग बनेगा राजनीति में पक्ष और विपक्ष में आरोप और प्रत्यारोप बढ़ेंगे मनुष्यों की बीमारियां कम और पशुओं में बीमारियां बढ़ने की संभावना ज्यादा रहेगी भूस्खलन आज की समस्याओं से सरकार को दो–चार होना पड़ेगा इसलिए अभी से उसकी तैयारी सरकार को कर देनी चाहिए।

जन्म राशि के अनुसार मंगल के गोचर का प्रभाव निम्न वत रहेगा–

मेष– मेष राशि वालों को दुर्घटनाओं से संभलकर रहने की सलाह दी जाती है. जो लोग रोमांटिक रिश्तों में हैं वो भी सावधान रहें, क्योंकि आपकी तीव्र भावनाएं और कुछ कार्य आपके लवमेट को परेशान कर सकते हैं। इससे आपके प्रेम जीवन में दिक्कत आ सकती है. हालांकि आपका आर्थिक जीवन अच्छा रहेगा।

वृषभ– यदि किसी संपत्ति पर निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल है। आप कोई अच्छा सौदा करने में इस दौरान कामयाब होंगे। यह अवधि संपत्ति को बेचने के लिए भी अनुकूल है। हालांकि इस राशि के विवाहित जातकों के जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं।

मिथुन– इस गोचर से नौकरियों की तलाश करने वाले लोग लाभान्वित होंगे, क्योंकि इस अवधि के दौरान आपको अच्छे अवसर और नौकरी के प्रस्ताव मिलेंगे और आप अपने प्रयासों से सर्वश्रेष्ठ नौकरी पा सकते हैं। जो लोग नौकरी बदलने का प्रयास कर रहे हैं, वे भी कोई अच्छी नौकरी पा सकते हैं।

कर्क– इस राशि में भी नौकरीपेशा लोगों के लिए समय शुभ रहेगा. कुछ जातक अपने शौक को अपने पेशे में बदल सकते हैं। यह समय अच्छे आपके लिए अच्छे अवसर लेकर आएगा जिनमें अपना कार्य कौशल दिखाकर आप अच्छा धन कमा सकते हैं। जो लोग पारिवारिक व्यवसाय में हैं, उनकी भी अच्छी कमाई होने की संभावना है।

सिंह– यदि आप सरकारी क्षेत्र, प्रशासनिक सेवा या किसी आधिकारिक पद पर हैं तो इस दौरान आपको सफलता मिलेगी। विवाहित जातकों को दांपत्य जीवन में कुछ गलतफहमियों का सामना करना पड़ सकता है। दांपत्य जीवन के मसलों को शांति से सुलझाने की आपको कोशिश करनी चाहिए।

कन्या– आप कुछ अप्रत्याशित खर्चे देख सकते हैं जो आपको वित्तीय रूप से अस्थिर बना सकते हैं। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि अपने खर्चों का ध्यान दें और सही बजट प्लान बनाएं। यदि आप विदेश में बसने की योजना बना रहे हैं तो यह समय आपके लिए भाग्यशाली नहीं माना जा सकता है।

तुला– घरेलू और परिवार के लिए आरामदायक चीजों पर खर्च कर सकते हैं। इस राशि के जो लोग प्रेम संबंधों में पड़े हैं, वह अपने लवमेट से इस दौरान झगड़ सकते हैं। प्रेम संबंध में होने के नाते यदि आप अपने साथी को शादी के लिए प्रपोज करना चाहते हैं तो यह एक अच्छा समय हो सकता है।

वृश्चिक– यह गोचर आपकी माता के लिए बहुत अच्छा नहीं माना जा सकता इस दौरान आपको उनकी सेहत का ख्याल रखना होगा। यदि आप कायदे कानून के हिसाब से चलेंगे तो समाज में आपको सम्मान भी प्राप्त होगा। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और आपका व्यक्तित्व मजबूत होगा। काम पर आपकी प्रबंधन क्षमताओं को सभी लोगों द्वारा सराहा जाएगा।

धनु– कॉलेज या कार्यस्थल पर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में आपको अपने छोटे भाई–बहनों से सहायता मिलेगी। जो लोग रोमांटिक रिश्तों में हैं वे अपने साथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे. आप अपने संगी के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे और प्यार की भावनाएं तीव्र होंगी। आप अपने रिश्ते को अगले स्तर पर ले जाने और अपने साथी को अपने परिवार से मिलाने की योजना भी बना सकते हैं।

मकर– ड्राइविंग करते समय सतर्क रहें, क्योंकि आप दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। यदि किसी वाहन को खरीदने की योजना बना रहे हैं तो कुछ समय के लिए रुक जाएं क्योंकि यह समय आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं है। आपको अपने पारिवारिक जीवन में कुछ संकट का सामना करना पड़ सकता है पारिवारिक सदस्यों के बीच कुछ गलतफहमी हो सकती है।

कुंभ– आपके संसाधनों में विस्तार होगा और व्यापार में लाभ बढ़ेगा. विवाहित जातकों को सलाह दी जाती है कि आप सतर्क रहें, क्योंकि आप अपने विवाहित जीवन में परेशानियों का सामना कर सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें तथा

आपको सलाह दी जाती है कि आप शांत रहें और क्रोध करने से बचें।

मीन– आपको कुछ अप्रत्याशित खर्चे करने पड़ सकते हैं जिससे आपकी आर्थिक स्थिति असंतुलित हो सकती है. आपको इस समय अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना होगा क्योंकि आप हड्डियों, त्वचा या आंखों से संबंधित किसी बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं। कोई पुराना रोग उभर कर आपको परेशानी में डाल सकता है इस समय आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

सनातन धार्म में गुरू का सर्वोच्च स्थान है : स्वामी कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार। निंरजन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म में गुरू का सर्वोच्च स्थान है। कनखल स्थित आद्य शक्ति महाकाली मंदिर में गुरू पूर्णिमा के अवसर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि मां के बाद गुरु को ही सबसे ऊंचा स्थान दिया गया है। जिंदगी में सफल होने के लिए गुरु का आशीर्वाद बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि गुरू केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं सिखाते बल्कि शिष्य को जीवन ज्ञान भी देते हैं। गुरु से मिले ज्ञान व शिक्षा को आत्मसात कर ही जीवन रूप नैया को भवसागर से पार ले जाया जा सकता है। गुरूपूजन करने आए भक्तों का मार्गदर्शन करते हुए उन्होंने कहा कि आदि अनादि काल से भारतीय संस्कृति में गुरू परंपरांओं को महत्वूर्ण स्थान रहा है। गुरू ही शिष्य को अंधकार की और से प्रकाश की और ले जाता है। उन्होंने कहा कि गुरु सेवा के माध्यम से शिष्य प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है। संत महापुरूष अपने ज्ञान व तपोबल से समाज का मार्गदर्शन करते हैं। स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि विभिन्न राज्यों आए श्रद्धालु भक्तों का आह्वान करते हुए कहा कि गुरू परंपरांओं का निर्वहन ठीक रूप से किया जाना चाहिए। उन्होंने गुरू पर्व पर भक्तों को गंगा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, पॉलीथीन, नशा मुक्ति का संकल्प भी दिलाया। इस दौरान सीएमओ डा.अर्जुन सिंह सेंगर, राजेंद्र पाराशर, चंद्रशेखर यादव, सर्व ब्राह्मण महासभा के अनूप भारद्वाज, पंडित आशीष शर्मा, लवकुमार दत्ता, आशीष पंत, मनीष पंत, राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भृगुवंशी आशुतोष पाण्डे, गौरव कौशिक आदि सहित कई राजनीति दलों के प्रतिनिधियों ने स्वामी कैलाशानंद गिरी का पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर अवंतिकानंद ब्रह्मचारी, कृष्णानंद ब्रह्मचारी, मुकुंदानंद ब्रह्मचारी, लालबाबा, आचार्य पवन दत्त मिश्र, पंडित प्रमोद पाण्डे आदि उपस्थित रहे।

मुफ्त बिजली प्रदेश की जनता का अधिकार : जुगरान

⏭आप की मुफ्त बिजली गारंटी कार्ड योजना को लेकर उत्तराखंड की जनता में उत्साह

⏭7 दिनों में हुए 1 लाख 39 हजार रजिस्ट्रेशन: आप

देहरादून। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता रविन्द्र जुगरान ने बताया कि केजरीवाल जी द्वारा लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रतिमाह, हर परिवार की घोषणा करने के बाद उत्तराखंड की जनता में बेहद उत्साह देखा जा रहा है। आप द्वारा फ्री बिजली शुरु हुए गारंटी कार्ड अभियान के तहत पिछले 7 दिन में अब तक कुल 1 लाख 39 हजार लोग अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। इन सभी लोगों को पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा गारंटी कार्ड दिया जा चुका है। आप के इस रजिस्ट्रेशन अभियान में पूरे उत्तराखंड से लोग बड़ी तादात में जुड़ रहे हैं और आने वाले समय में आप बहुत जल्दी घरों घरों और लोगों तक पहुंच कर अपने इस अभियान को और फ्री बिजली कार्ड को लेकर जनता को जागरूक करेगी। आप प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि, पार्टी की इस मुहिम को गांव से लेकर शहरों कस्बों में जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और लोगों में मुफ्त बिजली लेने को उत्सुकता दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि आप के 10 हजार कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में घर घर जाकर लोगों का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा आप पार्टी के प्रदेश में दस्तक देने के बाद अब विरोधी दल भी बिजली पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल जी का दम अब उत्तराखंड में भी दिखने लगा है और अब उत्तराखंड में सिर्फ काम की ही राजनीति होगी जो अब केजरीवाल इफेक्ट के तौर पर उत्तराखंड में दिखने लगी है। रविंद्र जुगरान ने कहा ,मुफ्त बिजली जनता का अधि कार है ,क्योंकि यहां के प्राकृतिक संसाध नों पर यहां की जनता का हक है और जनता अब बेहतर समझ चुकी है कि कर्नल कोठियाल के नेतृत्व में उनका भविष्य सुनहरा होगा और उत्तराखंड नवनिर्माण होगा। जनता अब समझ चुकी है कि उन्हें अगर कोई मुफ्त बिजली मुहैया करा सकता है तो वो सिर्फ अरविंद केजरीवाल दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि टिहरी बांध प्रभावितों को आश्वासन दिया गया था कि उन्हें बिजली मुफ्त दी जाएगी। लेकिन आज तक वो लोग इससे महरुम हैं और उत्तराखंड में टिहरी बांध समेत दर्जनों बांधों का निर्माण हुआ है ,जो हजारों मैगावाट विद्युत उत्पादन कर रहे हैं बावजूद इसके बिजली लोगों को बहुत मंहगी मिल रही है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या निशुल्क बिजली हमारा अधिकार और हक नहीं। क्या मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद, नौकरशाही ही निशुल्क बिजली का उपभोग करती रहेगी? उन्होंने कहा,फ्री बिजली उत्तराखंड के आम नागरिक का अधिकार और हक है उत्तराखंड के प्राकृतिक संसाधनों जल जंगल जमीन पर क्या उन्हें निशुल्क बिजली के रूप में यह अधिकार नहीं मिलना चाहिए? क्या जनता का पैसा जनता को देना मुफ्तखोरी है। जुगरान ने बताया कि ,ये मुफ्तखोरी नहीं है बल्कि यहीं का जनता का अधिकार है जो आप पार्टी अब उत्तराखंड की जनता को देना चाहती है। यहां की सरकारों की ये जिम्मेदारी थी कि, जनता को उनके संसाधनों का दोहन करने को प्रेरित करे ,लेकिन इससे बडा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि उर्जा प्रदेश होने के बावजूद भी यहां के लोगों को बिजली खरीद कर इस्तेमाल करनी पड रही है। उन्होंने आगे कहा कि, आप पार्टी के इस अभियान से अब कांग्रेस बीजेपी भी बौखला गए हैं और पार्टी को पूरा यकीन है कि लोगों का समर्थन पार्टी को ऐसे ही मिलता रहेगा।

नकरौंदा में हरेला पर्व पर पौध रोपण कार्यक्रम आयोजित

मानव जीवन के लिए पौधरोपण जरूरी: त्रिवेंद्र रावत

देहरादून। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि मानव जीवन के लिए पौधरोपण आवश्यक है। बगैर पौधों के मानव जीवन का अस्तित्व नहीं बचाया जा सकता। शनिवार को थानों रेंज अंतर्गत नकरौंदा में हरेला पर्व पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी जगह पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। डीएफओ राजीव धीमान ने कहा कि वन विभाग अपने निर्धारित लक्ष्य के साथ साथ अन्य माध्यमों एवं सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर पौधरोपण कर रहा है। जिसमें लाखों पेड़ अब तक लगाए जा चुके हैं, साथ ही उनके संरक्षण के लिए भी वन विभाग लगातार कार्य कर रहा है। इस दौरान 600 से अधिक पौधे लगाए गए।मौके पर देहरादून के मेयर सुनील उनियाल गामा, थानों रेंजर नत्थी लाल डोभाल, डिप्टी रेंजर गगनदीप गमाल सिंह, सतीश पोखरियाल, इंदर सिंह, माधव पंवार, राकेश कंडवाल, सुनील भट्ट, राजेंद्र पंवार, नीरज कुमार, अमित कुमार, बृजमोहन, बिशन सिंह, सोलंकी, रघुवीर सिंह, पार्षद अजेयता पंवार, स्वाति डोभाल, विनोद कुमार, प्रशांत खरोला, अशोक राज पंवार, सचिन आदि उपस्थित थे।

सीआईएससीई ने किया बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी

देहरादून। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआइएससीई) ने बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम शनिवार को जारी कर दिया। देर शाम तक प्राप्त नतीजों के आधार पर दून में आइएससी (12वीं) में विज्ञान वर्ग में वेल्हम गर्ल्स स्कूल की छात्रा पलक अग्रवाल ने 99.75, ह्यूमैनिटीज में गौरी सिंघल ने 99.50 एवं वाणिज्य में सौम्या बोहरा ने 98.25 फीसद अंक हासिल कर शीर्ष पर स्थान बनाया है। वहीं आइसीएसई (10वीं) में आइसीएसई (10वीं) में स्कूल के छात्र योम्स नेगी ने 99 फीसद शीर्ष पर हैं। प्रदेश में 100 से ज्यादा स्कूल सीआइएससीई से संबद्ध हैं। इन स्कूलों से इस वर्ष तकरीबन 15 हजार छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा दी थी। अकेले दून में ही सीआइएससीई से संबद्ध 60 स्कूल हैं, जिनमें करीब आठ हजार छात्रों ने परीक्षा दी थी। इनमें से लगभग साढ़े चार हजार छात्र-छात्राओं ने आइसीएसई (10वीं) और करीब साढ़े तीन हजार ने आइएससी (12वीं) की परीक्षा दी थी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 12वीं में देर शाम तक प्राप्त नतीजों के आधार पर दून में आइएससी (12वीं) में वेल्हम गर्ल्ड्स स्कूल की छात्रा पलक अग्रवाल ने 99.75 अंक हासिल किए थे। आइसीएसई (10वीं) में आइसीएसई (10वीं) में स्कूल के छात्र योम्स नेगी ने 99 फीसद अंक हासिल किए थे।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं को किया सम्मानित

देहरादून। माता वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव मंदिर में 25 वां गुरु पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना की गई। मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरु कोई व्यक्ति नही बल्कि एक मार्गदर्शक परम सत्ता है, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर ले जाता है। पंडित कमल जोशी और मंडली ने संगीतमय सुंदर काण्ड पाठ, भजन कीर्तन, हनुमान चालीसा पाठ किया। विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले 25 लोगों को आदर्श गुरु कृपा सम्मान 2021 प्रदान किया। इस अवसर पर आचार्य बिपिन जोशी, राम सेवक शर्मा, पंडित कमल जोशी, पंडित भरत जोशी, पंडित जनार्जन नौटियाल, गीता जोशी, विमला जोशी, दीपेन्द्र नौटियाल, संतोष ढौंडियाल, नीरज डोभाल आदि का विशेष सहयोग रहा। दिगंबर भरत गिरी महाराज, आईएएस हरि सेमवाल, इंजीनियर नीरज अग्रवाल, शिक्षाविद राम सेवक शर्मा, डा. जेएन. नौटियाल(आयुर्वेद), डा. दिनेश जोशी(आयुर्वेद), डा. सरस्वती काला (प्राकृतिक चिकित्सा),गो सेवा बाबा भवानी गिरी महाराज, प्रतिमा, गोभक्त ऋषिपाल, स्पोर्ट्स कोच हेमंत थापा, खेल के लिए-महक थापा, पूनम रौतेला, आकांक्षा नेगी, आस्था, खुशी, दीपा साह, ऐश्वर्या, दीक्षा, पंडित कमल पंत, खुशबू आहूजा को गुरु कृपा सम्मान मिला।

जब तक भाजपा सरकार को उखाड़ नहीं फेकेंगे चौन से नहीं बैठेंगे: धीरेंद्र प्रताप

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि जब तक भाजपा सरकार को उखाड़ नहीं फेकेंगे तब तक चौन से नहीं बैठेंगे। वे आज यहां महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव ज्योति रौतेला महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव दो रश्मि पटवाल और रंजना रावत आदि नेताओं के साथ नैनीडांडा विकासखंड का दौरा कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने शंकरपुर सल्ड महादेव खिरैरीखाल डूंगरी जड़ाऊ खान और धुमाकोट का दौरा किया व जनसंपर्क के दौरान भाजपा सरकार पर तेज हमले किए। इस दौरान इन कांग्रेसी नेताओं के साझा नेतृत्व में अदालीखाल में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार मुर्दाबाद के गगनभेदी नारों के बीच राज्य सरकार का पुतला जलाया।

राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

देहरादून। राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में रामानी फाउंडेशन द्वारा हरेला पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंत्री जोशी ने सीआरसी केंद्र के लिए शहर में पांच एकड़ भूमि, एक वाहन और एक एंबुलेंस दिलाने का आश्वासन किया। मुख्य अथिति कैबिनेट मंत्री एवं मसूरी विधायक गणेश जोशी समेत अन्य लोगों ने संस्थान परिसर में पौध रोपण किया और नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कैबिनेट मंत्री ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थिति गुरुजनों को प्रणाम किया। अपने राजनीतिक गुरु को याद करते हुए कैबिनेट मंत्री भावुक हो गए और साथ ही उन्होंने अपने गुरुओं का धन्यवाद दिया, जिनके कारण आज वह जनता की सेवा कर पा रहे हैं। कहा कि सरकार ने दो करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उत्तराखंड की बासमती और लीची विश्व प्रसिद्ध है। लेकिन पेड़ों के अंधाधुंध कटान के कारण लगातार इनकी संख्या में कमी आ रही है। पेड़ कटने के कारण पर्यावरण दूषित हो रहा है और बाढ़, भूस्खलन, बदल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाएं आ रही है। ज्यादा से ज्यादा पौध रोपण करें और पर्यावरण को संरक्षित करें। एक पेड़ लगाना 10 पुत्रों को जन्म देने के समान होता है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने की अपील की। इस दौरान सोसायटी अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव, संस्थान निदेशक निदेशक इंद्रजीत जग्गी, अनुसंधान अध्यक्ष मनीष वर्मा, मंडल अध्यक्ष पूनम नौटियाल, मंडल महामंत्री सुरेंद्र राणा, पार्षद संजय नौटियाल, योगेश अग्रवाल, चुन्नीलाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

15 अगस्त से होगा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन

पौड़ी। पौड़ी में पर्यावरण मित्र डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन करेंगे। पालिका प्रशासन डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए जल्द 60 पर्यावरण मित्रों की नियुक्ति आउटसोर्स के माध्यम से करने जा रहा है। व्यवस्था के तौर पर इसे तीन महीने के लिए लागू किया जाएगा। पालिकाध्यक्ष यशपाल बेनाम ने बोर्ड की एक आवश्यक बैठक आयोजित की। कहा कि पौड़ी में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए आउटसोर्स के माध्यम से 60 पर्यावरण मित्रों की नियुक्ति की जाएगी। जो पालिका क्षेत्र के 11 वार्डों में डोर–टू–डोर कूड़ा एकत्र कर उसे जैविक व अजैविक रुप में अलग–अलग भी करेंगे। कहा कि इस व्यवस्था के तहत पूरे पालिका क्षेत्र में सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। कहा कि यह व्यवस्था 15 अगस्त से लागू की जाएगी। जिसके लिए प्रति परिवार 30 रुपए शुल्क यूजर चार्जर के रुप में लिए जाएंगे। जिस पर बोर्ड के सभी सदस्यों ने सहमति प्रदान की। बैठक का संचालन ईओ प्रदीप बिष्ट ने किया। इस अवसर पर सभासद यशोदा नेगी, हेमंती गुसांई, मनमोहन सिंह, रंजीता गौरशाली, अनीता रावत, अनीता काला आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने विस चुनाव की तैयारियां पर चर्चा

पौड़ी। कोट में ब्लाक कांग्रेस कमेटी की बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। बैठक में विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बैठक नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्ष जगमोहन सिंह रौथाण की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत भी किय गया। बैठक में 2022 के विधानसभा चुनाव में फतह हासिल करने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में सरिता नेगी, कैलाश बिष्ट, तामेश्वर आर्य, नवल किशोर, प्रमोद मंद्रवाल, शशि चमोली, बलबीर राणा, भगवान सिंह, गजपाल गुसाई, राजेन्द्र बिष्ट, ललित सिंह, बलबीर राणा, संतोष रावत, कमल नेगी, हरपाल, रोशन लाल, विक्रम सिंह, रमेश बहुगुणा, मनीष शाह, आलोक चारू, भारत सिंह, दीवान सिंह, नंदकिशोर, जेपी बिष्ट, देवेन्द्र सिंह, विरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, हनी, शिवभक्ती लाल, धन सिंह, हुकुम सिंह, विनोद पंवार, अरुण रौथाण, कैलाश सिंह, राजेन्द्र चौहान, राकेश आर्य आदि शामिल थे।

सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

पौड़ी। उत्तराखंड देवभूमि सफाई कर्मचारी महासंघ द्वारा अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तराखंड में किए जा रहे धरना प्रदर्शन के समर्थन में आज सतपुली नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी भी उतर आए। देवभूमि उत्तराखंड के सतपुली शाखा के अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में सफाई कर्मचारियों ने आज सतपुली चौराहे में प्रदर्शन कर मांगों के लिए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा पूरे बाजार में भ्रमण कर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शन किया। सतपुली सफाई इकाई के महासचिव नरेश ने कहा कि संघ की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सतपुली इकाई द्वारा सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया है द्य साथ ही उन्होंने कहा कि ठेके पर रखे गए सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिया जा रहा है जिसमें परिवार का गुजारा चलाना मुश्किल है द्य उन्होंने कहा प्रदेश की स्थानीय निकाय व अन्य विभागों में सफाई कर्मचारियों के स्थाई पदों की भर्ती शुरू की जाए आउटसोर्सिंग कर्मचारी को नियमित किया जाय द्य प्रदर्शन करने वालों में विकास कुमार अध्यक्ष, नरेश कुमार महासचिव, सुभाष कुमार प्रचार मंत्री, रजत कुमार, अनुज कुमार, सुनील, अनिल, अभिषेक, राकेश, जागेश आदि मौजूद रहे।

पांच दिन बाद भी ठीक नहीं हुई पेयजल योजना

पौड़ी। बारिश से क्षतिग्रस्त हुई नानघाट पेयजल योजना पांच दिन बाद भी ठीक नहीं हो पाई है, जिससे पौड़ी की जनता को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। जल संस्थान का कहना है कि पानी की समस्या वाले क्षेत्रों में टैंकर से पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। पौड़ी शहर में श्रीनगर पंपिग पेयजल योजना के अलावा नानघाट पेयजल योजना से पानी की आपूर्ति होती है। नानघाट पेयजल योजना से मौजूदा समय में शहर को दो एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। बीते बीस जुलाई को भारी वर्षा के चलते नानघाट पेयजल योजना धनखुला नामक स्थान में क्षतिग्रस्त हो गई। जल संस्थान का कहना है कि करीब 35 मीटर पेयजल योजना क्षतिग्रस्त हुई है। तब से पांच दिन हो गए हैं लेकिन विभाग पानी की आपूर्ति सुचारु नहीं कर पाया है। दूसरी पेयजल योजना श्रीनगर अलकनंदा नदी से शहर को पानी की आपूर्ति होती है, लेकिन इन दिनों वर्षा के कारण गंदा पानी आने से पौड़ी शहर में कम ही पेयजल की आपूर्ति हो रही है। एमआइसी रोड निवासी पूनम नयाल, शशी नेगी, थाना मोहल्ला निवासी अमृता रावत, लोअर बाजार निवासी दीपक बड़थ्वाल आदि का कहना है कि इन दिनों कम ही पानी की आपूर्ति होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने क्षतिग्रस्त हुई नानघाट पेयजल योजना को जल्द दुरुस्त कर पानी की आपूर्ति सुचारु करने की मांग जल संस्थान से की है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता शिव कुमार राय का कहना है कि पेयजल योजना को ठीक कराया जा रहा है।

कोट मल्ला अनुसूचित जाति बस्ती ने लगाई सीएम से विस्थापन की गुहार

रुद्रप्रयाग। रानीगढ़ पट्टी के ग्राम कोट मल्ला अनुसूचित जाति बस्ती के लोगों ने मुख्यमंत्री से गांव के विस्थापन की मांग की है। कहा कि बीते वर्ष 24 अगस्त 2020 को भारी बारिश के चलते बस्ती के नीचे भूस्खलन हुआ है जो अब भी नियमित जारी है। भारी बारिश होने पर यहां जान माल के साथ ही भारी नुकसान का खतरा बना है। उन्होंने गांव में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में समाजसेवी बिंदी लाल शाह ने कहा कि बस्ती के नीचे भूस्खलन होने से ग्रामीणों के आवासीय भवन को खतरा पैदा हो गया है। कारण सैण तोक नाम से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बस्ती के ठीक नीचे से खरकोटा नैल मोला तक मोटर मार्ग का निर्माण जारी है, जिससे निर्माण कार्य के चलते बस्ती की जनता को सुविधा के बजाय जान माल का खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि इस ज्वलंत समस्या के समाधान के लिए बस्ती के ग्रामीणों का एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से मिला। जिलाधिकारी को भी ज्ञापन दिया गया है। कहा गया कि उक्त मोटर मार्ग के निर्माण होने से ग्रामीणों की कृषि भूमि नष्ट हो गई। जबकि बची भूमि भी आपदा की भेंट चढ़ रही है। बिन्दी लाल शाह ने कहा कि उनका बना शौचालय एवं स्नानागार भी जमीदोस्त हो चुका है। बीते वर्षो विकास खंड द्वारा बस्ती में एकल पेयजल पाइप लाइन बनाई गई किंतु वह भी ध्वस्त हो गई है जिससे बस्ती के ग्रामीणों को पानी पीने का संकट बना है।

गंगनहर में नहाते हुए किशोर लापता

रुड़की, गंगनहर में नहाने गए चार दोस्तों में से एक किशोर गंगनहर में गिरकर लापता हो गया। साथी दोस्तों में उंसके परिजनों को सूचना दी जिसके बाद गोताखोरों की मदद से गंगनहर में सर्चिंग अभियान चलाया गया। लेकिन काफी कोशिश के बाद भी किशोर का कोई पता नही लग पाया। रुड़की गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के गीतांजलि बिहार निवासी १७ वर्षीय अर्पित पुत्र किशनपाल अपने परिजनों को बिना बताए तीन दोस्तों के साथ शाम के वक्त गंगनहर में नहाने गया। जब वह चारों दोस्त नगर निगम के सामने बने घाट में नहा रहे थे तभी उनमें से एक दोस्त अर्पित नहर की गहराई में चला गया इससे कुछ दूरी तक तो उसने बाहर आने का प्रयास किया लेकिन बाद में वह नहर में डूब गया। अर्पित के चार दोस्तों में से एक तो मौके से फरार हो गया दो ने सूचना उंसके परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश शुरू की लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी उसका पता नही लग पाया। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है किशोर के पिता भगवती अस्पताल में कार्य करते हैं। वहीं नहर में डूबे युवक के दो दोस्तों को पुलिस ने हिरासत में लिया।रुड़की कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक दीप कुमार ने बताया अर्पित कुमार पुत्र कृष्ण कुमार निवासी डाढेकी लक्सर उम्र करीब १५ –१६ वर्ष नगर निगम पुल के पास नहाते समय डुब गया है। अर्पित के पिता रुड़की के एक निजी हॉस्पिटल में कंपाउंडर का कार्य करते हैं और अभी वह रुड़की के रंग में कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गीतांजलि बिहार में रहते हैं।

cãyhu Lokeh cl hoky ckck egku lr Fk&egr fueynkl

हरिद्वार। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु भक्तों ने संत शिरोमणि ब्रह्मलीन स्वामी बाबा बंसीवाले महाराज के दिखाए मार्ग पर चलते हुए मानव सेवा का संकल्प लिया। इस दौरान आश्रम की ओर से गरीब असहाय लोगों को वस्त्र और भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महंत निर्मलदास महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन स्वामी बंसीवाले बाबा एक महान संत थे। जिन्होंने संपूर्ण भारत वर्ष में अन्न क्षेत्र चलाकर गरीब असहायों के लिए मानव सेवा का समाज को संदेश दिया। उनके द्वारा गंगाखेड से प्रारंभ किए गए सेवा प्रकल्प आज भी मानव हित में समर्पित हो रहे हैं। राष्ट्र निर्माण में उनका सहयोग सदैव स्मरणीय रहेगा। ट्रस्टी सतीश गोयल ने कहा कि पूज्य गुरुदेव बाबा बंसी वाले महाराज एक दिव्य महापुरुष थे। जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा, संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार प्रसार में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। ऐसे महापुरुषों को संत समाज नमन करता है। उन्होंने कहा कि हर किसी के जीवन में गुरु का विशेष महत्व होता है। हमें गुरु का महत्व समझना चाहिए और जीवन पर्यंत उनका सम्मान करना चाहिए। समाजसेवी रविंद्र त्यागी ने कहा कि सौभाग्यशाली व्यक्ति को ही गुरु का सानिध्य प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद के बिना व्यक्ति अधूरा है। गुरु द्वारा दी गई शिक्षा मनुष्य को जीवन भर काम आती है। ब्रह्मलीन बाबा बंसी वाले महाराज ने सभी को मानव सेवा का संदेश देकर संस्कारवान बनाया। उनके बताए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके आशीर्वाद से कीमती चीज उनके शिष्य के लिए और कुछ भी नहीं हो सकती। गुरु के प्रति हमेशा शिष्य के मन में श्रद्धा होनी चाहिए। तभी शिष्य अपने कार्य को भली–भांति सीख सकता है।

कृषि कानून के विरोध में सीएम धामी को काले झंडे दिखाने जा रहे किसान गिरफ्तार

रुद्रपुर। तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर किसान सीएम के कार्यक्रम का विरोध करने मंडी परिसर में एकत्रित हुए। यहां उन्होंने केंद्र सरकार को किसान विरोधी बताते हुए जमकर नारेबाजी की। एसडीएम तुषार सैनी, कोतवाल प्रकाश सिंह दानू, एसएसआई सुध ाकर जोशी, एलआईयू इंचार्ज भाष्कर बडोला ने प्रदर्शनकारी किसानों से वार्ता कर विरोध प्रदर्शन स्थगित करने की अपील की। शनिवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान संगठन के कार्यकर्ता मंडी पहुंचे। वक्ताओं ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार चंद पूजीपतियों को लाभ दिलाने के लिए कंपनी की तरह काम कर रही है। आठ माह से अधिक समय से किसान दिल्ली बॉर्डर पर बैठे हैं। किसान तीन कृषि कानूनों को रद्द करने और एमएसपी की गांरटी मांग रहे हैं। लेकिन सरकार अपने हठधर्मी रवैये को नहीं छोड़ रही है।जिस कारण किसानों को मजबूरन सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। कहा सरकार की अनदेखी के कारण भाजपा सरकारों का विरोध किया जा रहा है। उन्होंने कहा सीएम के कार्यक्रम का पुरजोर विरोध करेंगे। किसान अमरिया चौक में सीएम का विरोध करने के लिए काले झंडे लेकर जुलूस की शक्ल में निकल गये। उनके हाथों में काली पट्टियां बंध ी थी। अमरिया चौक पर भारी पुलिस बल ने सैकड़ों किसानों को घेर लिया। यहां किसान सड़क में ही धरने में बैठ गये। पुलिस ने वाहनों में किसानों में बैठा लिया। पुलिस ने किसानों को सीएम के आने से पूर्व ही गिरफ्तार करने में सफल रही। पुलिस किसानों को गिरफ्तार कर सिडकुल चौकी ले गये। यहां भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के प्रदेश अध्यक्ष गुरसेवक सिंह, भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष गुरसाहब सिह, साहब सिंह बिजटी, जरनैल सिंह, जगपाल सिंह, बलविंदर सिंह, सकत्तार सिंह, पवन सिंह, परमजीत सिंह, मनजिंदर सिंह, गुरजोत सिंह, कुलदीप सिंह, जसविंदर सिंह रहे।

इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के साथ नजर आएंगी उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला फैंस के दिलों पर राज करती हैं. एक्ट्रेस अपनी अदाओं का जादू आए दिन फैंस के ऊपर चलाती रहती हैं. इन दिनों एक्ट्रेस अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं. एक्ट्रेस के पास इस वक्त एक के बाद एक कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिस वजह से वह बहुत व्यस्त चल रही हैं.

अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है और बताया कि अपनी आगामी वेब श्रृंखला श्इंस्पेक्टर अविनाशः के तीसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है. आपको बता दें कि उर्वशी के साथ सीरीज में अभिनेता रणदीप हुड्डा नजर आने वाले हैं. क्राइम-थ्रिलर शो सनी देओल-स्टारर श्भैयाजी सुपरहिटः फेम नीरज पाठक द्वारा निर्देशित और जियो स्टूडियो द्वारा ये निर्मित है.

इसके अलावा उर्वशी रौतेला ने जीओ स्टूडियो के साथ तीन-प्रोजेक्ट डील साइन की हैं. वेब सीरीज श्इंस्पेक्टर अविनाशः सुपर-कॉप अविनाश मिश्रा और पूनम मिश्रा पर आधारित एक बायोपिक है.

आपको बता दें कि हाल ही में, उर्वशी रौतेला ने अपनी वैनिटी वैन की एक झलक फैंस के लिए साझा की थी, जिसमें वह शूटिंग से ठीक पहले बैठकर अपने कैरेक्टर का अध्ययन कर रही हैं. इसमें अभिनेत्री ने अपने मेकअप और बालों के साथ नीले रंग की पोशाक पहनी है, और उनके माथे को बिंदी से सजाया गया है जैसा कि भूमिका की आवश्यकता है. उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, सुबह कि ४.४० बजे इंस्पेक्टर अविनाश के शूट के लिए तैयार .

उर्वशी रौतेला के डायरेक्टर जो नीरज पाठक ने सेट पर अभिनेत्री के साथ काम करने का अनुभव व्यक्त किया, उन्होंने कहा, उर्वशी एक अविश्वसनीय रूप से समर्पित, अनुशासित अभिनेत्री हैं और न केवल अपनी भूमिकाओं के प्रति बल्कि अपनी दैनिक जीवन शैली और स्वास्थ्य के साथ भी अनुशासन का पालन करती है. अभिनेत्री एक सख्त रूटीन का पालन करती हैं और उससे पीछे नहीं हटती. उसके अनुशासन और व्यावसायिकता ने उसे अपने खेल में सबसे ऊपर रखा है .

इसके साथ ही अगर एक्ट्रेस के आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बात करे तो, उर्वशी रौतेला एक बड़े बजट की तमिल फिल्म के साथ अपना तमिल डेब्यू करेंगी, जिसमें वह एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट और एक आईआईटीयन की भूमिका निभाएंगी, और बाद में वह एक द्विभाषी थ्रिलर में दिखाई देने वाली हैं.

ब्लैक रोज के साथ-साथ थिरुत्तु पायले २ के हिंदी रीमेक के साथ. अभिनेत्री को हाल ही में गुरु रंधावा के साथ उनके गीत दूब गए और मोहम्मद रमजान के साथ वर्साचे बेबी के लिए एक ब्लॉकबस्टर प्रतिक्रिया मिली है. उर्वशी जियो स्टूडियो की वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में रणदीप हुड्डा के साथ मुख्य भूमिका में हैं, जो सुपर कॉप अविनाश मिश्रा और पूनम मिश्रा की सच्ची कहानी पर आधारित एक बायोपिक है.

कार्तिक आर्यन ने की नई फिल्म की अनाउंसमेंट, पायलट बन जीतेंगे फैंस का दिल

कार्तिक आर्यन ने अपनी नई फिल्म की अनाउंसमेंट कर दी है. उनकी नई फिल्म का नाम कैप्टन इंडिया है जिसे हंसल मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं. कार्तिक ने फिल्म से फर्स्ट लुक शेयर करके इस बात की जानकारी दी है. इस फिल्म की कहानी युद्धग्रस्त देश से भारत के सबसे बड़े और सबसे सफल बचाव मिशन से प्रेरित है. इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला और हरमन बावेजा प्रोड्यूसर कर रहे हैं.

कैप्टन इंडिया में कार्तिक आर्यन एक पायलट के किरदार में नजर आने वाले हैं. कार्तिक ने फिल्म से पहला लुक शेयर करते हुए लिखा- जब एक आदमी अपनी ड्यूटी से परे जाता है. बड़े गर्व और सम्मान के साथ हम आपके लिए लेकर आ रहे हैं. कैप्टन इंडिया.कार्तिक के पोस्ट पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट करके उन्हें बधाई दी है. कार्तिक को पायलट के लुक में देखकर उनके फैंस बहुत खुश हैं. वह उनके पोस्ट पर कमेंट करके अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं.फिल्म के बारे में कार्तिक आर्यन ने कहा- कैप्टन इंडिया समान रूप से प्रेरणादायक और रोमांचकारी है और इसके साथ मुझे हमारे देश के इस तरह के ऐतिहासिक अध्याय का हिस्सा बनने के लिए गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है. हंसल सर के काम के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है और उनके साथ सहयोग करने का यह सही मौका था.

फिल्म निर्माता हंसल मेहता कहते हैं, श्कैप्टन इंडियाः जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, एक ऐसे पल को फिर से दर्शाएगा जहां एक आदमी अपने दर्द और पीड़ा को परे रख कर हजारों लोगों की जान बचाता है. मुझे फिल्म में रोनी स्क्रूवाला और हरमन बावेजा के साथ काम करने की खुशी है और मैं कार्तिक के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं.फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता रोनी स्क्रूवाला कहते हैं, कैप्टन इंडिया न केवल अब तक के सबसे बड़े मानवीय कार्यों में से एक की कहानी है, बल्कि अदम्य मानवीय भावना के बारे में भी है, जो बाधाओं के बावजूद असफलता से ऊपर उठता है. हंसल मेहता हमारे समय के बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं और उन्होंने हमेशा मानवीय कहानियों के वास्तविक सार को खूबसूरती से कैद किया है. यह निश्चित रूप से कार्तिक आर्यन के प्रशंसकों के लिए होगी क्योंकि वह श्कैप्टन इंडियाः के साथ नए क्षेत्र में कदम रख रहे हैं.श्कैप्टन इंडियाः एक ऐसी फिल्म है जो एक प्रेरक मानवीय कहानी और एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का सही संतुलन है. एक निर्माता के रूप में इसका काफी समय इंतजार था और मैं रोनी स्क्रूवाला, हंसल मेहता और कार्तिक आर्यन जैसे समान रूप से पैशनेट टीम के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं, मुझे विश्वास है कि यह कहानी हर भारतीय को पसंद आएगी.रोनी स्क्रूवाला और हरमन बावेजा द्वारा निर्मित, बावेजा स्टूडियोज के विक्की बाहरी द्वारा सह-निर्माता इस फिल्म में आरएसवीपी की सोनिया कंवर एसोसिएट प्रोड्यूसर के रूप में कार्यरत हैं और श्कैप्टन इंडियाः की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में शुरू होगी.

बॉलिवुड में वापसी की तैयारी में हैं मंदाकिनी?

बॉलिवुड में कुछ कलाकारों की एंट्री तो धमाकेदार होती है लेकिन वह ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाते हैं। ऐसी ही एक अदाकारा मंदाकिनी हैं। मंदाकिनी ने राज कपूर की सुपरहिट फिल्म श्राम तेरी गंगा मैलीः से १९८५ में धमाकेदार डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद मंदाकिनी के करोड़ों फैन्स हो गए थे मगर उनका करियर बहुत ज्यादा लंबा नहीं चला। खबर है कि मंदाकिनी एक बार फिर बॉलिवुड में वापसी करने वाली हैं। श्राम तेरी गंगा मैलीः से जोरदार डेब्यू करने के बाद मंदाकिनी कुछ फिल्मों में नजर आईं मगर फिर अचानक ही बॉलिवुड से गायब हो गईं।

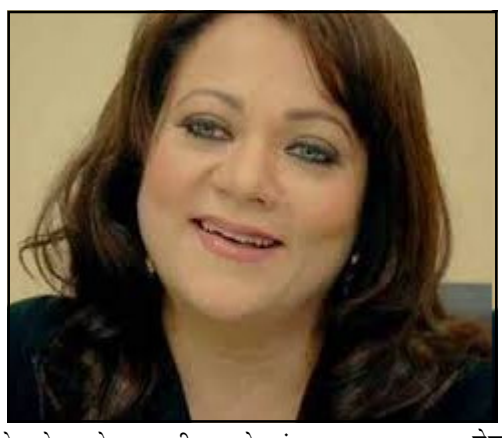

मंदाकिनी ने अपने करियर में ४८ फिल्मों में काम किया। बॉलिवुड में उनकी आखिरी फिल्म उनकी आखिरी फिल्म २००२ में रिलीज हुई बांग्ला फिल्म श्से अमार प्रेमः थी। मंदाकिनी ने हिंदी, बांग्ला के अलावा कुछ तेलुगू फिल्मों में भी काम किया है। मंदाकिनी ने अपनी डेब्यू फिल्म श्राम तेरी गंगा मैलीः में कई बोल्ड सीन दिए थे। फिल्म में उनका एक गाना सफेद साड़ी में झरने के नीचे फिल्माया गया था जिसमें वह सेमी न्यूड थीं। आज भी उस सीन की चर्चा की जाती है। इसके अलावा मंदाकिनी ने इसी फिल्म में बच्चे को ब्रेस्ट फीडिंग कराते हुए सीन दिया था। उस दौर में मंदाकिनी के इन सीन्स से हंगामा मच गया था। मंदाकिनी का नाम एक समय अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ भी जुड़ा था। दरअसल मंदाकिनी की कुछ तस्वीरें मीडिया में सामने आई थीं जिसमें वह दाऊद इब्राहिम के साथ बैठी नजर आ रही थीं। कहा जाता है कि दाऊद भी मंदाकिनी के हुस्न का दीवाना था मगर यह संबंध चल नहीं पाया। मंदाकिनी ने साल १९९० में पूर्व बुद्धिस्ट मोंक से शादी की है। खबरों की मानें तो बौद्ध डॉक्टर से शादी करने के बाद मंदाकिनी भी दलाई लामा की फॉलोअर बन चुकी हैं और तिब्बत में योग सिखाने के लिए क्लासेस चलाती हैं। यह भी बताया जाता है कि मंदाकिनी तिब्बती दवाइयां भी बेचती हैं। मंदाकिनी एक बार फिर बॉलिवुड में वापसी की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंदाकिनी के मैनेजर बाबूभाई थिबा ने बताया है कि वह इस समय कुछ स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हैं। वह फिल्मों के अलावा वेब सीरीज में काम करने को भी तैयार हैं मगर बड़ा रोल चाहती हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि मंदाकिनी ऐक्टिंग में वापस नहीं आना चाहती थीं। यह उनके भाई भानु थे जिन्होंने उन्हें वापसी के लिए मनाया। भानु ने कहा, श्जब वह कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल में गई तो मैंने देखा कि उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है। इसलिए मैंने उनसे कहा कि उन्हें ऐक्टिंग में वापसी करनी चाहिएः भानु ने यह भी बताया कि मंदाकिनी को टीवी सीरियल श्छोटी सरदारनीः में लीड रोल ऑफर हुआ था। मगर तब मंदाकिनी ने इस ऑफर को ठुकरा दिया था और अपनी जगह अनीता राज को कास्ट किए जाने का सुझाव भी दिया था। मंदाकिनी की आज भी फैन फॉलोइंग है, यह बात तो तय है। लेकिन मंदाकिनी काफी समय से मीडिया से दूरी बनाए हुए हैं। इस पर मंदाकिनी के मैनेजर बाबूभाई ने बताया कि मंदाकिनी इस समय अपने कमबैक प्रोजेक्ट पर ध्यान दे रही हैं। जब एक बार वह इसे फाइनल कर लेंगी तो जल्द ही मीडिया के सामने आएंगी और अपने कमबैक की घोषणा करेंगी।

मानसून अभिनय को आसान और अधिक यथार्थवादी बनाता है:रवि भाटिया

अभिनेता रवि भाटिया, जो वर्तमान में श्रृंखला, शुक्ला द टाइगर में नायक के रूप में देखे जा रहे हैं, अपनी अगली श्रृंखला, मडगांव द क्लोज्ड फाइल की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्हें लगता है कि कलाकारों के लिए मानसून बहुत अच्छा समय होता है। रवि ने बताया, मानसून आपके अंदर के कलाकार को जगाता है और आपको बहुत ऊर्जा के साथ प्रदर्शन करने देता है। मैं इस समय के दौरान शूटिंग का आनंद लेता हूं। चूंकि मानसून अभिनय को आसान और अधिक यथार्थवादी बनाता है। यहां तक कि अगर आप अतिरिक्त काम करते हैं, तो आप बिल्कुल भी थकान महसूस नहीं करते हैं।मानसून मेरे पसंदीदा मौसमों में से एक है, यह वह समय है जब आपका दिल और दिमाग अच्छा महसूस करना शुरू कर देता है। जब बाहर तेज बारिश हो रही होती है, तो आपका दिल निश्चित रूप से केवल दो चीजें चाहता है, एक रोमांस और दूसरा स्वादिष्ट, मुंह में पानी भरने वाला भोजन। मैं खाने का बड़ा शौकीन हूं। इसलिए अगर मैं शूटिंग कर रहा हूं तो भी मैं अपने और अपने आसपास के लोगों के लिए नाश्ते की व्यवस्था करना सुनिश्चित करता हूं।

रवि को जोधा अकबर, दो दिल बंधे एक डोरी से और इश्क सुभान अल्लाह जैसे टेलीविजन शो में अभिनय के लिए जाना जाता है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक वीना जोशी द्वारा देवभूमि प्रिन्टर्स, सरस मार्केट, हल्द्वानी, नैनीताल रोड, (नैनीताल) से मुद्रित एवं 12, बसन्त विहार छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सम्पादक : वीना जोशी

सभी विवादों का निपटारा हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होगा। प्रकाशित समाचारों के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है।